सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 54, नई दिल्ली । सोमवार, 06 मई 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

पक्षी को डाल के टूटने का डर नहीं होता, क्योंकि उसे अपने पंखों पर भरोसा होता है।

03 दिल्ली में नाला रोड खुरेजी रेड लाइट थाना क्षेत्र जगतपुरी पर कभी भी हो सकती है बड़ी दुर्घटना

06 राहुल ने इस बार खुद को सही साबित किया

08 राजस्थान सरकार के मंत्रियों का बेंगलुरू में हुआ अभिनंदन

न्यायिक प्रमुख मनोज कुमार राणा, अतिरिक्त न्यायिक मजिस्ट्रेट, गुरूग्राम, द्वारा 16 अप्रैल 2024 को एक आपराधिक मामले की सुनवाई के बाद दिल्ली परिवहन आयुक्त आशीष कुंद्रा और एमसीडी आयुक्त को 17 मई 2024 को केस से सम्बंधित सभी कागजात लेकर उपस्थित होने का समन जारी किया है, समन की कापी इसी समाचार के साथ आपकी जानकारी हेतु संलग्न

माननीय न्यायालय में प्रदर्शित करने और आरोपी व्यक्तियों के संज्ञान और मिलीभगत को स्थापित करने के लिए, संबंधित अधिकारी को निम्नलिखित की प्रमाणित प्रतियों के साथ रिकॉर्ड/दस्तावेजों के साथ साबित करना और गवाही देना आवश्यक है:

संजय बाटला

नई दिल्ली। विभाग के प्रमुख या सचिव या संबंधित अधिकारी या कार्यालय में क्लर्क के माध्यम से: एनसीटी दिल्ली नगर निगम डॉ. एस.पी.एम. सिविक सेंटर मिंटो रोड नई दिल्ली 100002

इसकी प्रमाणित प्रतियां तैयार करें:

i) भारत देश का कोई भी कानून और संबंधित वैधानिक प्रावधान जो धारा 41(7)(8)(9)(10), धारा 46, नियम 52, नियम 52(ए), नियम 55(सी) और नियम 81 प्रदान करता है। 2019 से 2023 तक संशोधित केंद्रीय मोटर वाहन अधिनियम और नियम, जो प्रावधान पूरे भारत में हर पांच साल में नवीनीकरण के बाद 15 साल घोषित सभी डीजल और पेट्रोल निजी वाहनों का जीवन प्रदान करते हैं, दिल्ली एनसीआर पर लागू नहीं होते हैं।

ii) भारत देश का कोई भी कानून और संबंधित वैधानिक प्रावधान जो एनसीटी दिल्ली के नगर निगम को धारा 41(7)(8)(9)(10), धारा 46, नियम 52, नियम 52(ए), नियम की अवज्ञा/उल्लंघन करने का अधिकार देता है। 2019 से 2023 तक संशोधित केंद्रीय मोटर वाहन अधिनियम और नियमों के 55 (सी) और नियम 81।

iii) भारत देश का कोई भी कानून और संबंधित वैधानिक प्रावधान जो वर्धमान कौशिक बनाम के मामले में 2014 के मूल आवेदन संख्या 21 में राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण, प्रधान पीठ, नई दिल्ली के आदेशों को रद्द कर देता है। भारत संघ एवं अन्य। 15 अप्रैल 2014 को पारित; 27 अक्टूबर 2014 को पारित; 26 नवंबर 2014 को पारित; 28 नवंबर 2014 को पारित (आदेशों के पृष्ठ 5 पर पैरा (ई)); 04 दिसंबर 2014 को पारित (आदेशों का दिशा पैरा 1); 07 अप्रैल 2015, 18 जुलाई 2016 को पारित, 20 जुलाई 2016 को पारित और सितंबर को पारित

14वें, 2017 उक्त आदेशों के पैरा 79, एनजीटी के उपरोक्त आदेशों का संयुक्त वाचन यह निर्धारित करता है कि:

ऐसे वाणिज्यिक वाहन जो 01 दिसंबर, 2014 को 15 वेयर से अधिक पुराने थे, उन्हें दिल्ली एनसीटी की सड़कों पर चलने की अनुमति नहीं थी और 2001 से बीएस-II और बीएस-III उत्सर्जन मानदंडों के तहत वाहनों की बिक्री या पंजीकरण पर कोई रोक नहीं थी। 2005 और दिल्ली एनसीआर में 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों पर कोई प्रतिबंध न लगाएं और पूरे भारत में हर पांच साल में नवीनीकरण के बाद घोषित सभी डीजल और पेट्रोल निजी वाहनों की जीवन अवधि 15 साल प्रदान करें।

iv) भारत देश का कोई भी कानून और संबंधित वैधानिक प्रावधान जो रिट याचिका (सिविल) संख्या में पारित भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों को अधिक्रमण/निरस्त करता है। 13029/1985 एम.सी. में मेहता याचिकाकर्ता (याचिकाकर्ता) वीएस यूनियन ऑफ इंडिया 28 जुलाई 1998 को 1996 के नंबर 939 के साथ पारित हुआ, 22 सितंबर 1998 को पारित हुआ, 16 अप्रैल 1999 को पारित हुआ, 29 अप्रैल 1999 को पारित हुआ, 13 अप्रैल 2017 को पारित हुआ। आई.ए.एन.ओ. 487/2017, I.A. NO. 491/2017, I.A. NO. 494/2017, एल.ए. नं. 489/2017 एवं आई.ए. नहीं। 495/2017 और 29.10.2018 को पारित, उपरोक्त सभी आदेशों का संयुक्त वाचन निर्धारित करता है:

29 अप्रैल, 1999 को और उसके बाद पंजीकृत वाहनों पर उपरोक्त निर्णयों में कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया था और पूरे भारत में हर पांच साल में नवीनीकरण के बाद सभी डीजल और पेट्रोल निजी वाहनों के जीवन को 15 वर्ष घोषित किया गया था:

टैक्सियों सहित 15 वर्ष पुराने वाणिज्यिक वाहनों के परिचालन पर 2 अक्टूबर, 1998 तक प्रतिबंध लगाया जाए।

15 वर्ष से अधिक पुराने सभी वाणिज्यिक वाहनों को 2-10-1998 से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में चलने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सभी निजी (गैर-वाणिज्यिक) वाहन जो यूरो आईएल मानदंडों के अनुरूप हैं, उन्हें बिना किसी प्रतिबंध के एनसीआर में पंजीकृत किया जा सकता है।

सभी निजी (गैर-व्यावसायिक) वाहन 1-6-1999 तक यूरो 1 मानदंडों के अनुरूप होंगे। सभी निजी (गैर-व्यावसायिक) वाहन

1-4-2000 तक यूरो II मानदंडों के अनुरूप होगा। इस बीच वाहनों को नीचे बताए गए तरीके से पंजीकृत किया जा सकता है: 1-5-1999 से, प्रति माह 250 डीजल चालित वाहन और प्रति माह 1250 पेट्रोल चालित वाहन पहले-आओ-पहले-पाओ के आधार पर पंजीकृत किए जा सकते हैं। एनसीआर, 1-4-2000 तक केवल तभी जब वे यूरो I मानदंडों के अनुरूप हों। 1-4-2000 से किसी भी वाहन का पंजीकरण तब तक नहीं किया जाएगा जब तक वह यूरो II मानदंडों के अनुरूप न हो।

हमारे द्वारा दिए गए निर्देश डीजल और पेट्रोल से चलने वाली कारों (निजी गैर-वाणिज्यिक वाहन) दोनों पर लागू होते हैं, ऊपर बताए गए तरीके से पंजीकरण की सुविधा के लिए, पंजीकरण प्राधिकारी निर्माता के प्रमाण पत्र पर संबंधित वाहन को पंजीकृत कर सकता है।, प्राधिकृत अधिकारी द्वारा विधिवत प्रमाणित किया गया है कि संबंधित वाहन यूरो 1/यूरो 11 मानदंडों के अनुरूप है...

v) केंद्रीय मोटर वाहन अधिनियम और नियमों में प्रावधान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली नगर निगम को वर्ष 2000 और उसके बाद पंजीकृत 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों/कारों को जबरन उठाने/जब्त करने और स्क्रैपिंग एजेंसियों को सौंपने का अधिकार देते हैं। लागू यूरो मानदंडों के तहत।

vi) एनजीटी द्वारा पारित आदेशों की प्रतिलिपि और माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा वर्ष 2000 में और उसके बाद पंजीकृत 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों के चलने पर लागू यूरो मानदंडों के तहत प्रतिबंध लगाया गया है, जैसा कि आपके निष्कासन आदेशों में उल्लिखित है। समन करने के लिए अनुलग्नक-सी11 और सी12।

vii) वर्धमान कौशिक बनाम मामले में याचिकाकर्ता द्वारा दायर 2014 की मूल आवेदन संख्या 21 की प्रति। भारत संघ एवं अन्य। किस मामले में एनजीटी ने 2015 में आदेश पारित किया जैसा कि सार्वजनिक नोटिस अनुलग्नक-सी11 और सी12 में बताया गया है।

viii) निष्कासन आदेश जारी करने के लिए निर्णय और निर्देशों की पूरी फ़ाइल (सम्मन के लिए अनुलग्नक-सी11 और सी12 के रूप में संलग्न)।

ix) उन अधिकारियों का नाम, पदनाम जिन्होंने हस्ताक्षर किए, उपरोक्त आदेशों को जारी करने का अनुमोदन किया, अनुलग्नक-सी11 और सी12;

x) एनजीटी के अंत में जारी किए गए निर्देशों की पूरी फ़ाइल, माननीय सर्वोच्च न्यायालय के अंत में जारी किए गए या किसी भी शासी प्राधिकरण के अंत में जारी किए गए जो एनसीटी दिल्ली के नगर निगम को जबरन सामान उठाने/जब्त करने और स्क्रैपिंग एजेंसियों को सौंपने का अधिकार देते हैं। लागू यूरो मानदंडों के तहत वर्ष 2000 और उसके बाद पंजीकृत 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहन/कारें। कार मालिक के आवास/कार्यालय के बाहर पार्क की गई या कार मालिक के आवास/कार्यालय के बाहर रैंप पर पार्क की गई या कार मालिक के आवासीय परिसर/सोसायटी की पार्किंग में पार्क की गई या दिल्ली के किसी अन्य स्थान/सड़क/बाजार पर पार्क की गई।

xi) परिवहन विभाग दिल्ली के अंत में स्क्रैपिंग एजेंसियों को जारी किए गए निर्देशों की पूरी फ़ाइल और एमसीडी कार्यालय के अंत में जारी किए गए निर्देशों की पूरी फ़ाइल, एमसीडी अधिकारियों के साथ 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों को जबरन उठाने/जब्त करने और ले जाने के लिए। एमसीडी की मदद से आवासीय सोसायटियों के दरवाजे और पार्किंग से या सड़क पर कहीं भी पार्क किया गया।

xii) परिवहन विभाग दिल्ली के अंत में दिल्ली पुलिस स्टेशनों को जारी किए गए निर्देशों की पूरी फ़ाइल और एमसीडी कार्यालय के अंत में जारी किया गया या दिल्ली पुलिस के अंत में जारी किया गया, एमसीडी अधिकारियों के साथ 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने डीजल को जबरन उठाने/जब्त करने के लिए। पुराने पेट्रोल वाहनों को एमसीडी अधिकारियों की मदद से घर-

HRGR03-019270-2024

Form No. 20

Criminal Courts, Gurugram
IN THE COURT OF Shri Manoj Kumar Rana
Additional Chief Judicial Magistrate Gurugram
Next Date, Purpose of case, Orders and Judgments as well as other case information is available on http://ecourts.gov.in

SUMMONS TO WITNESS

(See section 61 and 244)

COMI/191/2024
SARVADAMAN SINGH OBEROI LT. COL. (Retd) AND OTHER Vs ASHISH KUNDRA AND OTHERS
POLICE STATION/FIR NO. //0

200 of Code of Criminal Procedure, 1973
Previous Date 06-04-2024
NEXT DATE : 17-05-2024

Draft

To,
Name :- MUNICIPAL CORPORATION OF NCT DELHI
:-
Address :- DR. S.P.M. CIVIC CENTRE MINTO ROAD NEW DELHI
DIET MONEY RS. 550/- A/C NO. 55 DT. 06.04.2024, HARYANA

WHEREAS complaint has been made before me that ASHISH KUNDRA AND OTHERS R/o. : PS/COMMISSIONER TRANSPORT NCT DELHI TRANSPORT DEPARMENT NCT OF DELHI 5/9 UNDER HILL ROAD DELHI has or is suspected to have committed the offence of punishable under 200 of Code of Criminal Procedure, 1973 , and it appears to me that you are likely to give material evidence or to produce any document or other thing for the prosecution;

You are hereby summoned to appear before this Court on the day 17-05-2024 at 10 O'clock in the forenoon, to produce such document or thing or to testify what you know concerning the matter of the said complaint, and not to depart thence without leave of the Court; and you are hereby warned that, if you shall without just excuse neglect or refuse to appear on the said date, a warrant will be issued to compel your attendance.

Dated, this day of 16-04-2024

Manoj Kr. Rana
Additional Chief Judicial Magistrate
Gurugram

Visit ecourts.gov.in for updates or download mobile app "eCourts Services" from Android or iOS

घर और आवासीय सोसायटियों की पार्किंग से या सड़क पर कहीं भी पार्क किया जा सकता है और उक्त वाहनों को स्क्रैपिंग एजेंसियों को सौंप दिया जा सकता है।

xiii) परिवहन विभाग दिल्ली की ओर से, दिल्ली नगर निगम की ओर से और दिल्ली पुलिस की ओर से स्क्रैपिंग एजेंसियों के साथ एमसीडी अधिकारियों के साथ 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने डीजल को जबरन उठाने/जब्त करने के लिए हस्ताक्षरित एमओयू की पूरी फाइल। घर-घर पेट्रोल गाड़ियाँ और एमसीडी अधिकारियों की मदद से आवासीय सोसायटियों की पार्किंग से या सड़क पर कहीं भी पार्क करने से लेकर उक्त वाहनों को स्क्रैपिंग यार्ड तक ले जाना।

xiv) वर्ष 2020 से 2024 तक रिमूवल ऑर्डर के आधार पर एमसीडी द्वारा जब्त/हटाई गई 10 साल पुरानी डीजल कारों की पूरी सूची, पंजीकरण संख्या, संबंधित पंजीकृत मालिकों के नाम और मोबाइल नंबर के साथ।

सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा - सड़क किनारे पार्किंग के खतरे

डॉ. अंकुर शरण
राष्ट्रीय मुख्य परिवहन एवं योजना अधिकारी
सड़क सुरक्षा ओमनी फाउंडेशन

आधुनिक जीवन की भागदौड़ में, पार्किंग स्थल ढूंढना एक चुनौती हो सकती है, जिसके कारण कई वाहन चालक सुविधाजनक समाधान के रूप में सड़क के किनारे पार्किंग का सहारा लेते हैं। हालाँकि, जो एक हानिरहित कार्य प्रतीत हो सकता है वह वास्तव में महत्वपूर्ण खतरे पैदा कर सकता है, जो सड़क दुर्घटनाओं की चिंताजनक प्रवृत्ति में योगदान दे सकता है। एक हालिया सर्वेक्षण के अनुसार, सड़कों पर होने वाली अधिकांश मौतों के लिए अवैध सड़क किनारे पार्किंग को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, जो इस बढ़ती समस्या के समाधान के लिए कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।

सड़क किनारे पार्किंग, जो अक्सर जल्दबाजी में और सुरक्षा का उचित ध्यान रखे बिना की जाती है, ड्राइवरों और पैदल चलने वालों दोनों के लिए कई खतरे पैदा करती है। यहां कुछ प्रमुख कारण बताए गए हैं कि क्यों सड़क किनारे पार्किंग आपदा का कारण बनती है:

दृश्यता कम होना:

सड़क के किनारे पार्क किए गए वाहन ड्राइवरों और पैदल चलने वालों दोनों के दृश्य को बाधित करते हैं, जिससे आने वाले यातायात या सड़क पार करने वाले पैदल यात्रियों का अनुमान लगाना मुश्किल हो जाता है। दृश्यता की कमी से टकराव की संभावना बढ़ जाती है, खासकर चौराहों और सड़क के मोड़ों पर।

संकीर्ण सड़क स्थान:

सड़क किनारे पार्किंग उपलब्ध सड़क स्थान को काफी कम कर देती है, जिससे गाड़ी निकलने के लिए कम जगह बचती है और साइड-स्वाइपिंग दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। भीड़भाड़ वाले शहरी इलाकों में, यह समस्या और भी बढ़ जाती है, जिससे बाधाएं और ग्रिडलॉक पैदा होते हैं जो यातायात के प्रवाह को बाधित करते हैं और ड्राइवरों के बीच तनाव बढ़ाते हैं।

अप्रत्याशित बाधाएँ:

अवैध रूप से पार्क किए गए वाहन अक्सर सड़क पर फैल जाते हैं, जिससे ड्राइवरों को इधर-उधर जाने में अप्रत्याशित बाधाएँ पैदा होती हैं। यात्रा के सामान्य पथ से यह अचानक विचलन ड्राइवरों को सतर्क कर सकता है, जिससे अचानक टालमटोल हो सकती है या इससे भी बदतर, स्थिर वाहनों के साथ टकराव हो सकता है।

पैदल यात्रियों को खतरा:

सड़क किनारे पार्किंग न केवल मोटर चालकों के लिए जोखिम पैदा करती है बल्कि पैदल चलने वालों की सुरक्षा को भी खतरे में डालती है। फुटपाथों पर खड़े वाहन पैदल चलने वालों को सड़क पर चलने के लिए मजबूर करते हैं, जिससे उन्हें गुजरने वाले वाहनों से टकराने का खतरा रहता है। इसके अलावा, पार्क की गई कारों की मौजूदगी क्रॉसवॉक को अस्पष्ट कर सकती है, जिससे पैदल चलने वालों के लिए चौराहों पर सुरक्षित रूप से नेविगेट करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

बिगड़ा हुआ आपातकालीन प्रतिक्रिया:

किसी आपात स्थिति की स्थिति में, जैसे कि आग या चिकित्सा संकट, सड़क के किनारे पार्किंग आपातकालीन वाहनों की त्वरित प्रतिक्रिया को बाधित कर सकती है। संकीर्ण सड़कें और अवरुद्ध पहुंच बिंदु पहले उत्तरदाताओं के आगमन में देरी कर सकते हैं, संभावित रूप से स्थिति की गंभीरता को बढ़ा सकते हैं और जीवन को खतरे में डाल सकते हैं।

सड़क किनारे पार्किंग की समस्या से निपटने के लिए शिक्षा, प्रवर्तन और बुनियादी ढांचे में सुधार सहित बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। जन जागरूकता अभियान ड्राइवरों को अवैध पार्किंग के खतरों के बारे में शिक्षित कर सकते हैं और जिम्मेदार पार्किंग प्रथाओं को प्रोत्साहित कर सकते हैं। कानून प्रवर्तन एजेंसियों को अवैध पार्किंग व्यवहार को रोकने के लिए पार्किंग नियमों को लागू करने और अपराधियों को दंडित करने के प्रयास बढ़ाने चाहिए। इसके अतिरिक्त, बुनियादी ढांचे में निवेश, जैसे निर्दिष्ट पार्किंग क्षेत्र और बेहतर सार्वजनिक परिवहन विकल्प, हमारी सड़कों पर पार्किंग के दबाव को कम कर सकते हैं और सभी सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए सुरक्षित यात्रा को बढ़ावा दे सकते हैं।

दिल्ली में नाला रोड खुरेजी रेड लाइट थाना क्षेत्र जगतपुरी पर कभी भी हो सकती है बड़ी दुर्घटना

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। नाला रोड खुरेजी लाल बत्ती की सड़क पर पीडब्ल्यूडी द्वारा लोहे की चादर डाल वाहनों को आने जाने का मार्ग प्रदान किया हुआ है। यह चादर पिछले कई महीनों से टूटी पड़ी है और सड़क पर चलने वाले यात्रियों और वाहनों के लिए खतरा पैदा कर रही हैं इसके बावजूद दिल्ली पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों की आंखे बंद है **क्या पीडब्ल्यूडी के अधिकारी किसी बड़े हादसे के होने का इंतजार कर रहे हैं ?** यहां की जनता की बात माने तो उनके द्वारा अनगिनत शिकायते पीडब्ल्यूडी विभाग में दी गई है पर उसके बावजूद कोई कार्यवाही नहीं हुई। **सड़क सुरक्षा ओमनी फाउंडेशन के कार्यकारणी सदस्य जगमोहन सिंह ने जब इसके लिए पीडब्ल्यूडी अधिकारी जेई नारायण प्रसाद से बात करी तो जेई नारायण प्रसाद का कहना * "आचार संहिता लागू है क्या आप भी नही जानते और आचार संहिता के चलते कैसे इस सड़क की मरम्मत के लिए किसी को टेंडर जारी कर दे"** अब सवाल यह उठता है कि **"जनता की सुरक्षा के प्रति होने वाले कार्य जो अति आवश्यक है कब से आचार संहिता के अन्तर्गत बंद कर दिए जाते हैं" ?** यह ऐसा कार्य है जिसके लिए दिल्ली यातायात पुलिस के क्षेत्र मे कार्यरत टी. आई. और इस स्थान पर कार्यरत जेड ओ को भी पीडब्ल्यूडी के अधिकारी को सुचित कर इस कार्य को तत्काल करवाने की बात कही जानी चाहिए थी और पीडब्ल्यूडी द्वारा देरी करने पर इसकी सूचना अपने उच्च अधिकारियों को प्रस्तुत करनी चाहिए थी पर लगता है **पीडब्ल्यूडी के अधिकारी की तरह ही दिल्ली पुलिस, दिल्ली यातायात पुलिस, क्षेत्र के राजनीतिक नेता किसी बड़े हादसे के इंतजार में बैठे हैं जिससे उस हादसे को मुद्दा बनाकर अपना फायदा उठा सके क्योंकि जान माल की हानि तो जनता की होगी और इन्हे जनता से क्या लेना देना**

जगमोहन सिंह, ओमनी रोड सेफ्टी फाउंडेशन

पर्यावरण पाठशाला : प्रकृति के उपहार को अपनाएं: आप वृक्ष की रक्षा करें, वो हमारी करेगा - अंकुर

हमारे दैनिक जीवन की हलचल भरी उथल-पुथल में, हमारे द्वारा तैयार किए गए कंक्रीट के जंगल के बीच,

उन मूक दिग्गजों को नजरअंदाज करना आसान है जो हमारे ग्रह के संरक्षक के रूप में खड़े हैं - पेड़। फिर भी, अपनी दृढ़ कृपा में, वे हमें मूर्त और अमूर्त दोनों प्रकार के ढेर सारे उपहार प्रदान करते हैं, जो हमारे अस्तित्व को उन तरीकों से आकार देते हैं जिन्हें हम अक्सर स्वीकार करने में विफल होते हैं।

एक क्षण रुकें और एक पेड़ के मूल्य पर विचार करें। यह वही सांस छोड़ता है जो हमें पनपने के लिए चाहिए, हवा से प्रदूषकों को फ़िल्टर करता है और इसे जीवन-निर्वाह ऑक्सीजन से भर देता है। इसकी जड़ें धरती में गहराई तक पहुंचकर मिट्टी को स्थिर करती हैं, कटाव को रोकती हैं और प्राकृतिक बाढ़ बचाव के रूप में कार्य करती हैं।

लेकिन एक पेड़ का मूल्य उसके पारिस्थितिक योगदान से कहीं अधिक है। यह चिलचिलाती गर्मी के दिनों में अपनी छाया में सांत्वना प्रदान करता है, आश्रय की तलाश कर रहे अनगिनत प्राणियों के लिए आश्रय और सरसराहट वाले पत्तों की एक सिम्फनी जो अशांति के क्षणों में हमारी आत्माओं को शांत करती है। पेड़ समय बीतने के मूक गवाह हैं, अतीत और भविष्य की पीढ़ियों की कहानियों के गवाह हैं।

अपनी दृढ़ उपस्थिति में, पेड़ हमें विनम्रता और परस्पर जुड़ाव की गहरी सीख देते हैं। वे हमें याद दिलाते हैं कि हम प्रकृति से अलग नहीं हैं, बल्कि उसका अभिन्न अंग हैं। फिर भी, अपने निर्विवाद मूल्य के बावजूद, पेड़ों को असंख्य खतरों का सामना करना पड़ता है - वनों की कटाई, शहरीकरण, जलवायु परिवर्तन - जो उनके अस्तित्व को खतरे में डाल रहे हैं।

अब समय आ गया है कि हम, एक व्यक्ति के रूप में, आगे बढ़ें और कार्रवाई करें। हमें पृथ्वी के प्रबंधक के रूप में अपनी भूमिका को पहचानना चाहिए और इसके साथ आने वाली जिम्मेदारी को स्वीकार करना चाहिए। मैं एक सरल लेकिन शक्तिशाली संकेत का प्रस्ताव करता हूं: एक पेड़ के माता-पिता बनें।

कल्पना करें कि यदि हममें से हर कोई एक ही पेड़ का पालन-पोषण और देखभाल करने के लिए प्रतिबद्धहो, ठीक उसी तरह जैसे हम एक बच्चे के लिए करते हैं। पेड़ लगाना केवल पर्यावरणवाद का कार्य नहीं है; यह उस पृथ्वी के प्रति प्रेम और कृतज्ञता का कार्य है जो हमारा भरण-पोषण करती है। एक पेड़ को अपनाकर, हम प्रकृति के साथ एक बंधन बनाते हैं, जुड़ाव और श्रद्धा की भावना को बढ़ावा देते हैं जो शब्दों से परे है।

इसलिए, प्रिय पाठक, मैं आपसे इस आह्वान पर कार्रवाई करने का आग्रह करता हूं। एक पेड़ ढूंढें, चाहे आपके किसी स्थानीय पार्क में, या सामुदायिक उद्यान में, और उसका संरक्षक बनने का संकल्प लें। इसे पानी दें, इसकी जरूरतों का ध्यान रखें और देखें कि यह आपकी देखरेख में कैसे बढ़ता और फलता-फूलता है। ऐसा करके, आप न केवल हमारे ग्रह के संरक्षण में योगदान करते हैं बल्कि मानव होने के अर्थ के सार से भी जुड़ते हैं।

आइए हम उन अमूल्य शिक्षाओं को न भूलें जो पेड़ हमें देते हैं - उदारता और परस्पर जुड़ाव की सीख। आइए, साथ मिलकर प्रबंधन की इस यात्रा पर चलें, एक समय में एक पेड़, और ऐसा करते हुए, प्रकृति के सौम्य दिग्गजों के आलिंगन में मौजूद गहन सौंदर्य और ज्ञान को फिर से खोजें।

indiangreenbuddy@gmail.com

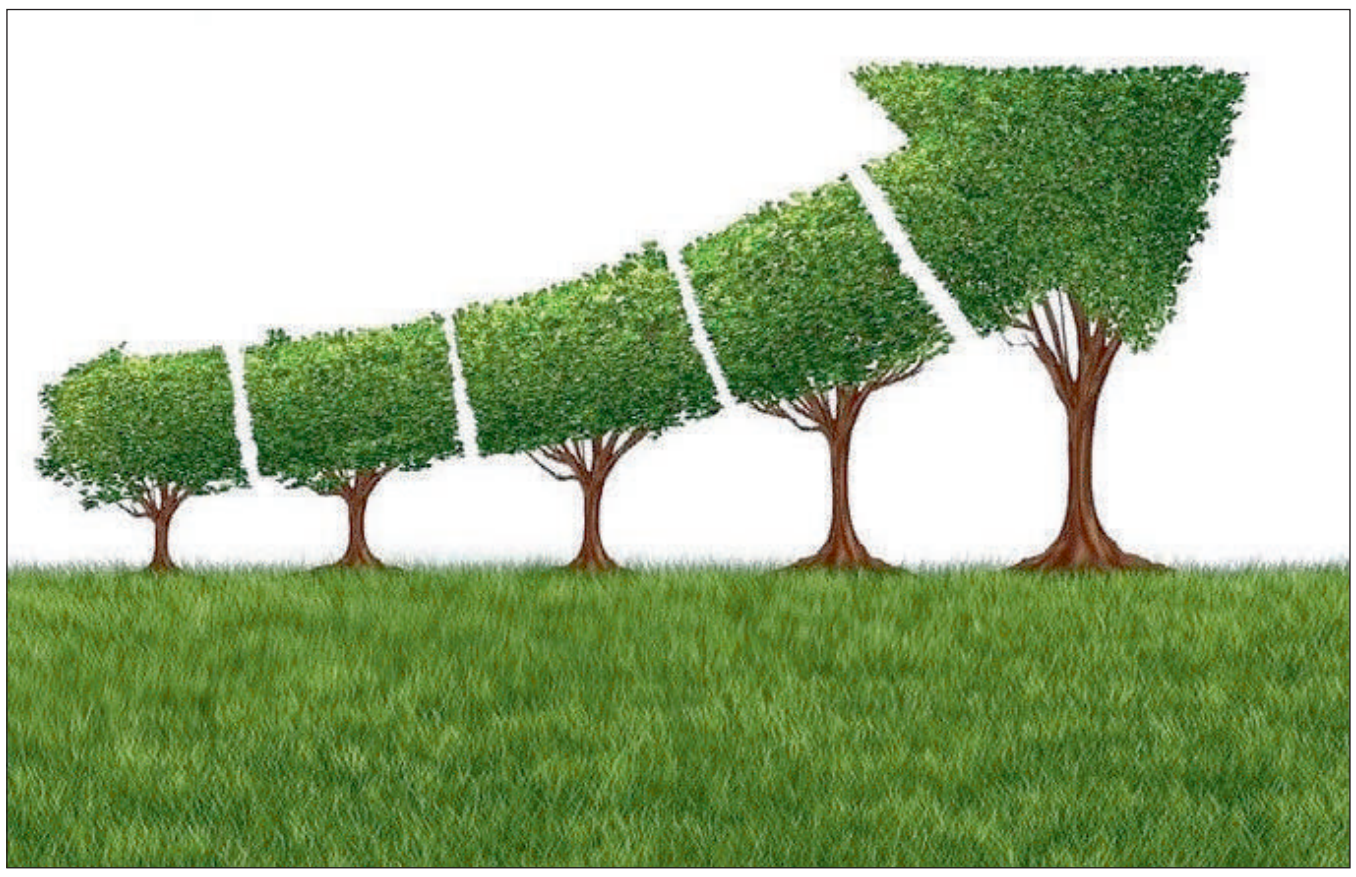

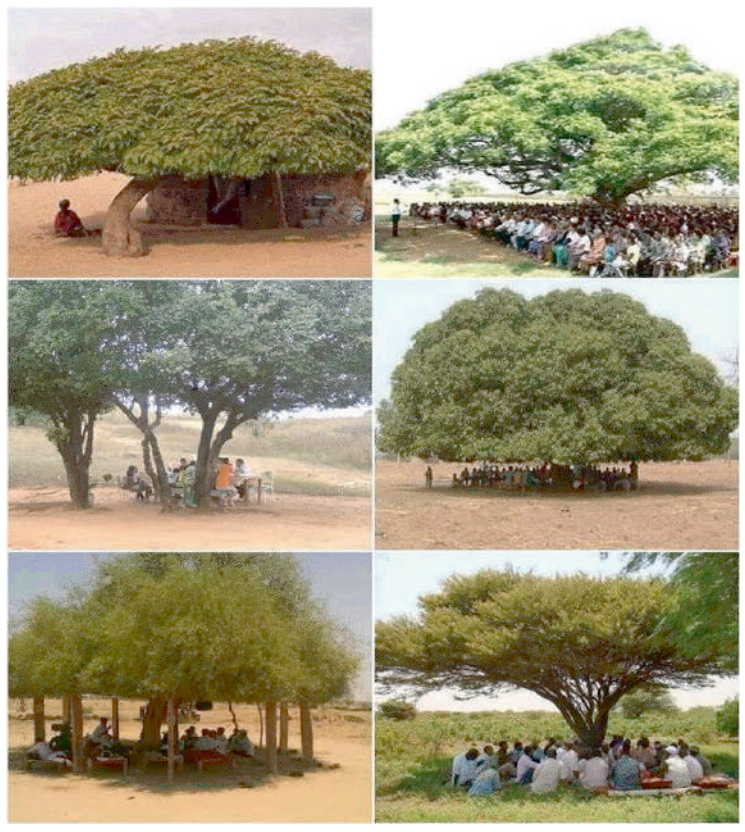

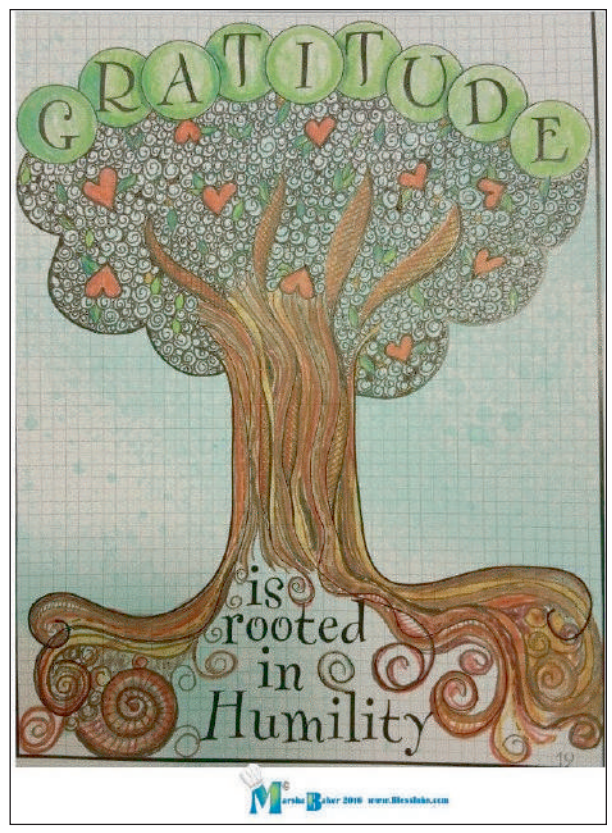

संस्कारशाला: युवाओं को बुद्धिमान और बलवान बनने के लिए कुछ टिप्स हैं - प्रियंका श्रीवास्तव

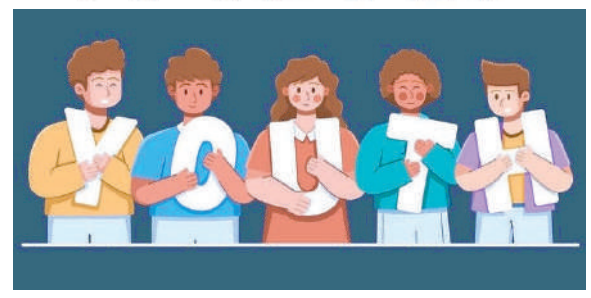

स्वस्थ जीवन शैली: व्यायाम और योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करें, सही आहार खाएं और प्राकृतिक चीजों का सेवन करें।

शिक्षा में बदलावः नए ज्ञान और योगिताओं का अध्ययन करें, कभी भी सीखने की इच्छा बनाएं रखें।

संकल्प और संख्या की बड़ी: अपने लक्ष्यों को तय करें और उन्हें पाने के लिए प्रबल संकल्प बनाएं, साथ ही समय की महत्ता को समझें।

व्यावसायिक सुधारः व्यावसायिक और व्यावसायिक ज्ञान में सुधार करें, नई तकनीकें और उद्यमिता में रुचि दिखाएं।

सामाजिक जिम्मेदारी: सामाजिक संवेदना और जिम्मेदारी में योगदान देना सीखें, सामाजिक समस्याओं का समाधान तलाश करें।

मनोबल का विकासः आत्मविश्वास और अंतर्मन की सकारात्मकता, सफलता की और अग्रसर हो। परिवार और समाज का सम्मानः परिवार का सम्मान करें और सामाजिक दायित्वों का पालन करें, समाज में साकारात्मक परिवर्तन लाने की कोशिश करें।

जयपुर के 2 साल पुराने महादेव मंदिर के रहस्यों को जानकर रह जाएंगे दंग, आप भी कर आएं दर्शन

जयपुर के नाहरगढ़ जंगल में मौजूद बाबा भूतेश्वर नाथ मंदिर आमेर की पहाड़ियों के ठीक पीछे स्थित हैं। ऐसे में आज हम आपको इस मंदिर के कुछ रहस्यों के बारे में बताने जा रहे हैं। इन रहस्यों को जानकर आप भी खुद को यहां जाने से रोक नहीं पाएंगे। बाबा भूतेश्वर नाथ मंदिर जयपुर के सबसे फेमस मंदिरों में से एक है। अगर आप जयपुर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको एक बार बाबा भूतेश्वर नाथ मंदिर के दर्शन जरूर करना चाहिए। जंगल के बीच पहाड़ी पर बसे इस मंदिर की खूबसूरती को देख आप दंग रह जाएंगे। यह मंदिर जयपुर के नाहरगढ़ जंगल में मौजूद आमेर की पहाड़ियों के ठीक पीछे स्थित हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस मंदिर के कुछ खास रहस्यों के बारे में बताने जा रहे हैं। मंदिर के इन रहस्यों को जानकर आप भी खुद को यहां जाने से रोक नहीं पाएंगे।

बाबा भूतेश्वर नाथ मंदिर की खासियत : बता दें कि भूतेश्वर नाथ महादेव मंदिर में 6 बजे से रात 11 बजे तक श्रद्धालुओं की भीड़ जल चढ़ाने के लिए उमड़ी रहती है। मान्यता के मुताबिक इस मंदिर में भक्त जो भी मुराद मांगता है, भगवान उसकी सभी मन्नत पूरी हो जाती है। भूतेश्वर नाथ मंदिर पहाड़ी के बीच में अकेले था। इस मंदिर के बारे में जैसे ही पता चला, तो यहां पर दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ होने लगी।

स्वयंसेवकशाला "योग के माध्यम से बच्चों को सशक्त बनाना: एक ग्रीष्मकालीन सत्र की सफलता की कहानी" - जन जागरण

नोएडा के एक हलचल भरे कोने में, होशियारपुर सेक्टर 51 के संस्कार सेंटर स्कूल में, खुशी और सीख से भरा एक कार्यक्रम सामने आया। जन जागरण ग्रीष्मकालीन बाल योग सत्र ने गर्मजोशी और उत्साह का संचार किया। 4 मई, 2024 की उजली सुबह, स्कूल का मैदान उत्साह से भर गया, जब लगभग 200 बच्चे, शिक्षकों और कर्मचारियों के साथ, समग्र विकास के उद्देश्य से गतिविधियों के एक अनूठे मिश्रण में भाग लेने के लिए एकत्र हुए।

सावधानीपूर्वक डिजाइन किए गए इस सत्र में असंख्य समृद्ध अनुभव शामिल थे। स्थायी सूक्ष्म गतिविधियों से लेकर दिमागी बुद्धिमत्ता वाले खेलों तक, हर पल इन युवा दिमागों की प्रतिभा और कौशल को पोषित करने के लिए तैयार किया गया था। हालाँकि, दिन का मुख्य आकर्षण निस्संदेह आकर्षक प्रश्नोत्तरी सत्र था।

जैसे-जैसे सवाल उड़ते गए और जवाब बुद्धिमत्ता से चमकते गए, यह स्पष्ट हो गया कि ये बच्चे सिर्फ भागीदार नहीं थे; वे ज्ञान के चैंपियन थे। सीखने की उनकी उत्सुकता और उनकी त्वरित बुद्धि ने उन्हें पुरस्कार दिलाया, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि इसने ज्ञान और विकास के लिए उनकी प्यास को प्रदर्शित किया।

हंसी-मजाक और सौहार्द के बीच सत्र समाप्त हो गया। हालाँकि, विदाई देने से पहले, आयोजकों ने स्नेह के भाव में, केले और बिस्कुट वितरित किए, जो न केवल विदाई का प्रतीक था, बल्कि उनकी आगे की यात्रा के लिए पोषण और समर्थन का वादा भी था।

जैसा कि हम सीखने और विकास के इस खूबसूरत दिन पर विचार करते हैं, आइए हम उन सभी बच्चों, शिक्षकों और कर्मचारियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करें जिनके उत्साह और समर्पण ने इसे संभव बनाया। आइए हम मिलकर उन पहलों का समर्थन करना जारी रखें जो हमारे समुदायों का उत्थान और सशक्तिकरण करती हैं, एक समय में एक कहानी।

"Volunteershala"यह हृदयस्पर्शी पहल, समुदाय और सहयोग की शक्ति का एक प्रमाण, वोकल फॉर लोकल अभियान का एक चमकदार उदाहरण है, जो एनजीओ के वैश्विक परिसंघ का एक प्रमुख कार्यक्रम है। डॉ. अंकुर शरण की स्वयंसेवीशाला, परिवहन विशेष, Active NGOs के सहयोग से, आशा और सशक्तिकरण की ऐसी कहानियों को प्रदर्शित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो हम सभी से वैश्विक सोचने और स्थानीय कार्य करने का आग्रह करती है।

"विश्व गुरु बनने से पहले, हमें एक अच्छा स्वयंसेवक बनना सीखना होगा"

अधिक प्रेरक कहानियों के लिए और अपनी कहानियाँ साझा करने के लिए, Indiangreenbuddy@gmail.com पर हमसे संपर्क करें। एक समय में एक स्वयंसेवक के साथ एक उज्जवल, अधिक समावेशी भविष्य के निर्माण में हमसे जुड़ें।

काला रंग माना जाता है अशुभ, फिर भी मंगलशुत्र में क्यों होता है इस्तेमाल, यहां जानें कारण

हिंदू धर्म में काले रंग को अशुभता का प्रतीक माना जाता है और किसी भी शादी विवाह, धार्मिक अनुष्ठान या फिर पूजा पाठ में काले रंग को अशुभ माना गया है। इस समय पर कोई भी काले कपड़े नहीं पहनता। लेकिन शादी में दुल्हन को जो मंगलसूत्र पहनाया जाता है, उस मंगलसूत्र में काले मोतियों का इस्तेमाल किया जाता है, तो आखिर ऐसा क्यों जब सब चीजों में काले रंग को दूर रखा जाता है, तो मंगलसूत्र की मोतियों का रंग काला क्यों होता है। आईए इसके बारे में विस्तार से जानते हैं- धन दौलत का प्रतीक- शास्त्रों की मानें तो काले रंग को स्वयं देवताओं ने सर्वश्रेष्ठ माना है। काला रंग धन दौलत का प्रतीक माना जाता है। काला रंग सम्मान और ताकत को दर्शाता है। न्याय के देवता शनि देवता रंग भी काला है, यह काला रंग भेदभाव या फिर पक्षपात नहीं करता। इसा वदह से जज और वकील के कोर्ट काले रंग के होते हैं। शालिग्राम भी काले रंग के- नवदुर्गा में से नौ रूपों में सातवां रूप महाकाली का होता है और यह काफी शक्तिशाली है। इनके क्रोध को शांत करने के लिए स्वयं भोलेनाथ उनके चरणों के नीचे आ गए थे। भगवान विष्णु के स्वरुप शालिग्राम भी काले रंग के ही हैं, जो घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करते हैं। शास्त्रों में काली गाय की सेवा को श्रेष्ठ माना जाता है। शनि अथवा केतु की नकारात्मक दशा है तो काले कुत्ते को रोटी खिलाने का विधान बताया गया है। मोतियों का रंग काला क्यों- उसमें सुहाग की निशानी के तौर पर मंगलसूत्र की मोतियों का रंग काला होता है। रिश्ते को लंबे समय तक कायम रखने के लिए मंगलसूत्र की मोतियों का रंग काला बनाया जाता है। शगुन शास्त्र में माना गया है कि घर में काली चीटियों का आना बहुत ही शुभ है। ऐसा माना जाता है कपड़े हों या फिर अगर घर का रंग भी क्यों ना हो वास्तु शास्त्र में काले रंग की बुराई, मृत्यु, औपचारिक जैसे भाव का परिचायक माना गया है। जिन जातकों की कुंडली में शनि नीच राशि में होते हैं, किसी तरह पीड़ा हो, तब काले रंग के इस्तेमाल से बचना चाहिए। अगर जन्मतिथि में 8 नवंबर ज्यादा बार है तब भी काले रंग से बचना चाहिए।

घर में कुत्ता पालने के विषय में....

आवारा कुत्ते को भोजन देने का फल शास्त्रों ने बहुत ही अधिक बताया गया है1 यह लेख शास्त्रमत से चलने वाले धर्मावलंबियों के लिए है आधुनिक विचारधारा के लोग इससे सहमत या असहमत होने के लिए बाध्य नहीं है। महाभारत में महाप्रस्थानिक पर्व का अंतिम अध्याय, इंद्र ,धर्मराज और युधिष्ठिर संवाद में इस बात का उल्लेख है। जब युधिष्ठिर ने पूछा कि यह कुत्ता मेरे साथ यहां तक चलकर आया तो मै इस कुत्ते को अपने साथ स्वर्ग क्यों नहीं ले जा सकता ? तब इंद्र ने कहा- ₹हे राजन कुत्ता पालने वाले के लिए स्वर्ग में स्थान नहीं है ऐसे व्यक्तियों का स्वर्ग में प्रवेश वर्जित है। कुत्ते से पालित घर मे किये गए यज्ञ, और पुण्य कर्म के फल को क्रोधवश नामक राक्षस उसका हरण कर लेते है। और तो और उस घर के व्यक्ति जो कोई दान, पुण्य, स्वाध्याय, हवन और कुवा-बावड़ी इत्यादि बनाने के जो भी पुण्य फल इकट्ठा होता है वह सब घर में कुत्ते की दृष्टि पड़ने मात्र से निष्फल हो जाता है। इस लिए कुत्ते का घर मे पालना निषिद्ध और वर्जित है। ज्योतिष के अनुसार भी कहा जाता है कि कुत्ता राहु ग्रह का प्रतीक है। अभिप्राय कुते को घर मे रखना राहु को अपने पास रखने के समकक्ष है और राहु भक्तिभाव से दूर करता है। कुत्ते को संरक्षण देना चाहिए, अगर आप सामर्थ्यवान हैं तो रोज पच्चीस-पचास या सामर्थ्यनुसार कुत्तों को भोजन दें, घर की रोज की अंतिम एक रोटी पर कुत्ते का अधिकार है इस पशु को भूलकर भी प्रताड़ित नही करना चाहिए और दूर से ही इसकी सेवा करनी चाहिए इससे अवधूत भगवान दत्तात्रेय और भैरव बाबा प्रसन्न होते हैं। कुत्तों के लिए घर के बाहर बाडा बनवाएं, घर के अंदर नहीं, यह शास्त्र मत है।

अतिथि घर में, गाय आंगन में, औरकुत्ता, कौवा, चींटी घर के बाहर ही फलदाई होते है।

दिल्ली में फर्स्ट टाइम वोटर की बढ़ी संख्या, इस बार लगभग इतने युवा पहली बार करेंगे मतदान

परिवहन विशेष न्यूज

राजधानी में पिछले तीन माह में अब तक 18 से 19 वर्ष की उम्र के 95 हजार से अधिक नए युवा मतदाता जुड़ चुके हैं। 26 अप्रैल तक आवेदन करने वाले लोगों का मतदाता पहचान पत्र बनाने का काम चल रहा है। इसलिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय को उम्मीद है कि सात मई को जब पूरक मतदाता सूची जारी होगी तो युवा मतदाताओं की संख्या थोड़ी और बढ़ जाएगी।

नई दिल्ली। राजधानी में पिछले तीन माह में अब तक 18 से 19 वर्ष की उम्र के 95 हजार से अधिक नए युवा मतदाता जुड़ चुके हैं। 26 अप्रैल तक आवेदन करने वाले लोगों का मतदाता पहचान पत्र बनाने का काम चल रहा है। इसलिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय को उम्मीद है कि सात मई को जब पूरक मतदाता सूची जारी होगी तो युवा मतदाताओं की संख्या थोड़ी और बढ़ जाएगी।

इसलिए दिल्ली में इस लोकसभा चुनाव में करीब ढाई लाख युवा मतदाता पहली बार मतदान करेंगे।

सीईओ कार्यालय ने युवा मतदाताओं की संख्या बढ़ने का श्रेय मतदाता जागरूकता अभियान को दिया है।

सीईओ कार्यालय के अनुसार, 22 जनवरी को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची में 18 से 19 वर्ष की उम्र के मतदाताओं की संख्या एक लाख 47 हजार 74 थी। इसके बाद मतदाता जागरूकता अभियानों के माध्यम से नए युवा मतदाताओं को मतदाता पहचान पत्र बनाने के लिए प्रेरित किया गया।

इस वजह से नए आंकड़ों के अनुसार, 18 से 19 वर्ष के नए युवा मतदाताओं की संख्या दो लाख 43 हजार हो गई है। दिल्ली के सीईओ पी. कृष्णमूर्ति ने उम्मीद जताई कि पूरक मतदाता सूची के प्रकाशन होने पर नए युवा मतदाताओं की संख्या ढाई लाख तक पहुंच जाएगी।

उन्होंने कहा कि इन आंकड़ों से पता चलता है कि युवाओं को केंद्र में रखकर चलाए गए मतदाता जागरूकता अभियान अपने उद्देश्य में सफल रहे हैं और सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता (स्वीप) गतिविधियों के तहत चलाए गए अभियान से युवा मतदाताओं का पंजीकरण बढ़ा है।

सीईओ कार्यालय के अनुसार दिल्ली के 1003 स्कूलों और 119 कालेजों में चुनावी साक्षरता क्लब, 11,458 चुनाव पाठशाला और मतदाता जागरूकता फोरम के 192 कार्यक्रम हुए हैं। इस दौरान नए मतदाताओं खास तौर पर 18 से 19 वर्ष के युवा मतदाताओं को मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने के लिए प्रेरित किया गया। पी. कृष्णमूर्ति ने युवाओं सहित सभी मतदाताओं से चुनाव में बढ़ चढ़कर मतदान करने की अपील की है।

इलाज कराने के एक महीने बाद घर लौटा छात्र, सहपाठियों ने पीटा और पीछे घुसा दिया था डंडा

वसुंधरा एन्क्लेव के एक निजी स्कूल में हैवानियत का शिकार हुआ कक्षा आठ का छात्र इलाज के एक महीने बाद अस्पताल से घर लौट आया है। 18 मार्च को छात्र का उसके तीन सहपाठियों ने यौन उत्पीड़न किया था। उत्पीड़न के अलावा उन्होंने छात्र की पिटाई भी की थी। छात्र की मां ने बताया कि उन्होंने मेरे बेटे की पिटाई की उसके कपड़े उतार दिए और उसे डंडे से पीटा।

नई दिल्ली। वसुंधरा एन्क्लेव के एक निजी स्कूल में हैवानियत का शिकार हुआ कक्षा आठ का छात्र इलाज के एक महीने बाद अस्पताल से घर लौट आया है। 18 मार्च को छात्र का उसके तीन सहपाठियों ने यौन उत्पीड़न किया था। उत्पीड़न के अलावा उन्होंने छात्र की पिटाई भी की थी। छात्र की मां ने बताया कि उन्होंने मेरे बेटे की पिटाई की, उसके कपड़े उतार दिए और उसे डंडे से पीटा। बाद में डंडा उसके शरीर में पीछे डाल दिया था, जिससे उसकी आंतें क्षतिग्रस्त हो गईं। मां ने कहा कि एक सप्ताह तक छात्र ने कुछ नहीं बताया था। पेट में दर्द की शिकायत के बाद उसे अस्पताल ले जाया गया था। घटना में शामिल तीनों किशोरों को पकड़ लिया गया है।

कनॉट प्लेस हनुमान मंदिर में भक्तों को लेकर लिया जा सकता है बड़ा फैसला, चल रहा विचार

परिवहन विशेष न्यूज

काशी विश्वनाथ व वाराणसी के भैरोनाथ तथा उज्जैन स्थित ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर की तरह दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित ऐतिहासिक हनुमान मंदिर के गर्भगृह में हफ्ते के कुछ दिन भक्तों के प्रवेश पर रोक का विचार हो रहा है। ऐसा मंगलवार व शनिवार को बड़ी संख्या में आने वाले भक्तों की सुरक्षा व सुविधा के मद्देनजर है।

नई दिल्ली। काशी विश्वनाथ व वाराणसी के भैरोनाथ तथा उज्जैन स्थित ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर की तरह दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित ऐतिहासिक हनुमान मंदिर के गर्भगृह में हफ्ते के कुछ दिन भक्तों के प्रवेश पर रोक का विचार हो रहा है। ऐसा, मंगलवार व शनिवार को बड़ी संख्या में आने वाले भक्तों की सुरक्षा व सुविधा के मद्देनजर है। उन्हें इन दिनों में दूर से भगवान हनुमान के दर्शन पूजन की सुविधा मिलेगी।

इसी तरह, मंदिर में प्रवेश व निकास द्वार को अलग-अलग करने तथा बुजुर्ग व अशक्त भक्तों की सुविधा के लिए रैंप बनवाने पर भी मंदिर प्रबंधन आगे बढ़ रहा है। वैसे, हाल ही में मंदिर के मुख्य परिसर में भक्तों के प्रवेश को लेकर कुछ बदलाव किए गए है।

स्थिति में नहीं हो रहा सुधार

बैरिकेडिंग लगाकर भक्तों के प्रवेश और निकासी को पृथक करने तथा सामने की जगह दाएं तरफ की द्वार से गर्भगृह में भक्तों को प्रवेश दिया जा रहा है। तब भी स्थिति में ज्यादा सुधार नहीं आया है।

क्यों है इतना प्रसिद्ध मंदिर

मान्यता है कि इस मंदिर की स्थापना पांडवों ने की थी। संत तुलसीदास ने इस मंदिर में हनुमान का दर्शन कर इस स्थल पर हनुमान चालीसा की रचना की थी। इसकी वर्तमान इमारत आमेर के महाराजा मान सिंह प्रथम ने बनवाई थी, जिसका विस्तार महाराजा जयसिंह द्वितीय ने जंतर-मंतर के साथ ही करवाया था। इस मंदिर में दिल्ली-एनसीआर के भक्तों की बड़ी श्रद्धा है। आम लोगों के साथ ही पूर्व राष्ट्रपति, मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री भक्त हनुमान के दर्शन के लिए आते हैं।

मंदिर प्रबंधन से जुड़े लोगों के अनुसार, अयोध्या मंदिर में भगवान राम के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के साथ से राम भक्त हनुमान के प्रति भक्तों में श्रद्धा के साथ उनकी मंदिरों में आने में रूचि बढ़ी है। स्थिति यह कि हनुमान मंदिर में मंगलवार, शनिवार और रविवार को पहले की तुलना में पांच गुना तक बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। जिसके चलते बड़े बदलावों पर विमर्श तेज है।

बसपा ज्वाइन करते ही राज कुमार आनंद ने की बड़ी घोषणा, नई दिल्ली से आप और भाजपा के खिलाफ लड़ेंगे चुनाव

आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे राज कुमार आनंद ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का दामन थामने के बाद बड़ी घोषमा कर दी है। वह नई दिल्ली लोकसभा सीट से चुनाव भी लड़ेंगे। सोमवार को वो नामांकन दाखिल करने जाएंगे। इस सीट से पहले बीएसपी ने सत्यप्रकाश गौतम को उम्मीदवार घोषित किया था जो नामांकन दाखिल भी कर चुके हैं।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे राज कुमार आनंद ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का दामन थामने के बाद बड़ी घोषमा कर दी है। वह नई दिल्ली लोकसभा सीट से चुनाव भी लड़ेंगे। सोमवार को वो नामांकन दाखिल करने जाएंगे। इस सीट से पहले बीएसपी ने सत्यप्रकाश गौतम को उम्मीदवार घोषित किया था, जो नामांकन दाखिल भी कर चुके हैं। मगर अब वह अपना नामांकन वापस लेंगे और उनकी जगह राजुकमार आनंद आप (AAP) और भाजपा के उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे।

कांग्रेस नेता ने गिरफ्तारी से पहले किया था ये काम, पुलिस को आ रही परेशानी

परिवहन विशेष न्यूज

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के फेक वीडियो मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल (Delhi Police Special Cell) द्वारा गिरफ्तार किए गए कांग्रेस नेता अरुण बी रेड्डी (Congress Leader Arun B Reddy) तीन दिन के लिए पुलिस रिमांड पर हैं। रविवार को रिमांड का दूसरा दिन था पुलिस इस दौरान पूछताछ में यह जानने की कोशिश कर रही है कि वीडियो किसने बनाया था और कब बनाया था।

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के फेक वीडियो मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल (Delhi Police Special Cell) द्वारा गिरफ्तार किए गए कांग्रेस नेता अरुण बी रेड्डी (Congress Leader Arun B Reddy) तीन दिन के लिए पुलिस रिमांड पर हैं। रविवार को रिमांड का दूसरा दिन था, पुलिस इस दौरान पूछताछ में यह जानने की कोशिश कर रही है कि वीडियो किसने बनाया था और कब बनाया था। फेक वीडियो एक्स पर पोस्ट करने के पीछे क्या मकसद था? इसके साथ ही अरुण बी रेड्डी से बरामद किए गए मोबाइल और लैपटॉप की भी जांच की जा रही है। जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार होने से पहले अरुण ने अपने लैपटॉप और मोबाइल का डेटा डिलीट कर दिया था।

डेटा रिकवर कर रही पुलिस

स्पेशल सेल उसके मोबाइल और लैपटॉप का डेटा रिकवर करने का प्रयास कर रही है, जिससे यह पता चल सके कि फेक वीडियो उसने खुद से बनाया था या उसके किसी अन्य साथी ने बनाया और उसे भेजा गया। आरोपित ने अपने लैपटॉप और फोन से अहम साक्ष्य डिलीट कर दिए हैं। उसके फोन और लैपटॉप को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है।

कॉल डिटेल निकाल रही पुलिस

इसके साथ ही उसके कॉल डिटेल और लोकेशन भी निकाली जा रही है। जिससे यह पता लगाया जाएगा कि फेक वीडियो को पोस्ट करने से पहले आरोपित किस किस के संपर्क में था। किससे उसकी क्या बात हुई। साथ ही वीडियो पोस्ट करने के दौरान वह कहां था और उससे पहले कहां-कहां गया किस-किस से मिला।

पुलिस के अनुसार, बी रेड्डी कांग्रेस की इंटरनेट मीडिया टीम का अहम सदस्य है और उन लोगों में शामिल है, जिन्होंने अमित शाह के फर्जी वीडियो को इंटरनेट मीडिया पर शेयर किया था। इसके साथ ही अपने परिवार के साथ भी शेयर किया था।

सुनीता केजरीवाल ने आप प्रत्याशी सहीराम पहलवान के समर्थन में किया रोड शो

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल दक्षिण दिल्ली से गठबंधन के प्रत्याशी सहीराम पहलवान के समर्थन में रविवार शाम को रोड शो कर रही हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जेल गए। जेल में उनकी इंसुलिन बंद कर दी। उनका शुगर 300 से ऊपर चला गया। ऐसे तो उनकी किडनी लिवर सब खराब हो जाता।

नईदिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल दक्षिण दिल्ली से गठबंधन के प्रत्याशी सहीराम पहलवान के समर्थन में रविवार शाम को रोड शो कर रही हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जेल गए। जेल में उनकी इंसुलिन बंद कर दी। उनका शुगर 300 से ऊपर चला गया। ऐसे तो उनकी किडनी, लिवर सब खराब हो जाता। बड़ी मुश्किल से कोर्ट में जाकर परमिशन लेकर इंसुलिन दी गई। सुनीता केजरीवाल ने कहा कि आपके केजरीवाल शेर हैं। उन्हें कोई नहीं झुका सकता, कोई नहीं तोड़ सकता। भारत मां के वह सच्चे लाल हैं। आज भारत मां की बेटी आपसे विनती करती है कि इस देश को बचा लो। लोकतंत्र खतरे में है। लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। आप सबको आप सबको अपनी वोट की ताकत को समझना है। 25 मई को आप सभी वोट करने जाएंगे।

स्कूल में एसी की सुविधा का खर्च छात्र के माता-पिता को उठाना होगा, दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका

एक स्कूल में एंयर-कंडिशनिंग के लिए अभिभावकों से दो हजार रुपये प्रतिमाह की वसूली के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर विचार करने से दिल्ली हाईकोर्ट ने इनकार कर दिया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन व न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ ने कहा कि स्कूल में एयर कंडीशनिंग की लागत माता-पिता को वहन करनी होगी क्योंकि यह छात्रों को प्रदान की जाने वाली सुविधा है।

नई दिल्ली। एक स्कूल में एंयर-कंडिशनिंग के लिए अभिभावकों से दो हजार रुपये प्रतिमाह की वसूली के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर विचार करने से दिल्ली हाईकोर्ट ने इनकार कर दिया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन व न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ ने कहा कि स्कूल में एयर कंडीशनिंग की लागत माता-पिता को वहन करनी होगी, क्योंकि यह छात्रों को प्रदान की जाने वाली सुविधा है।

अदालत ने कहा कि यह प्रयोगशाला शुल्क जैसे अन्य शुल्कों से अलग नहीं है। अदालत ने कहा कि इस तरह का वित्तीय बोझ अकेले स्कूल प्रबंधन पर नहीं डाला जा सकता है और माता-पिता को स्कूल का चयन करते समय सुविधाओं और उनकी लागत के प्रति सतर्क रहना चाहिए।

पिता ने दिया था ये तर्क

याचिकाकर्ता पिता ने याचिका दायर कर तर्क दिया था कि छात्रों को एयर कंडीशनिंग सुविधाएं प्रदान करने का दायित्व प्रबंधन का है और इसलिए यह सुविधा प्रबंधन को अपने स्वयं के धन और संसाधनों से प्रदान करना चाहिए। याचिकाकर्ता का बेटा स्कूल में नौवीं कक्षा का छात्र है।

हालांकि, अदालत ने नोट किया कि फीस रसीद में एयर कंडीशनिंग के लिए शुल्क की प्रविष्टि विधिवत दर्ज है। अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया स्कूल द्वारा लगाए गए शुल्क में कोई अनियमितता नहीं है।

याचिका सुनवाई योग्य नहीं

अदालत ने कहा कि ऐसी सुविधाएं प्रदान करने का वित्तीय बोझ अकेले स्कूल प्रबंधन पर नहीं डाला जा सकता है। अदालत ने कहा कि शिक्षा निदेशालय को भी शिकायतें मिलने के बाद इस मुद्दे पर विचार करना पड़ा और याचिका सुनवाई योग्य नहीं थी। उक्त टिप्पणी करते हुए अदालत ने याचिका खारिज कर दी।

गाजियाबाद में दूषित पानी से नहाने पर 40 से ज्यादा लोगों को 'हॉट टब रैश', ये लक्षण दिखें तो हो जाएं सतर्क

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद में पिछले एक सप्ताह में 40 से ज्यादा लोगों को ऐसी बीमारी हुई है। हॉट टब रैश से त्वचा पर खुजली होती है। रात में ठीक से नींद नहीं आती है। वहीं शनिवार तक पानी जांच रिपोर्ट नहीं आई है। इससे त्वचा पर लाल चकत्ते बन जाते हैं। यह बीमारी लंबे समय तक यूजीआर की सफाई नहीं होने से होती है।

गाजियाबाद। इंदिरापुरम की साया गोल्ड एवेन्यू सोसायटी में दूषित पानी पीने के साथ लोग नहाने से भी बीमार हुए हैं। अब लोगों में 'हॉट टब रैश' के लक्षण सामने आ रहे हैं। ऐसे लोगों की संख्या 40 से ज्यादा है। इससे त्वचा पर लाल चकत्ते बन जाते हैं।

यह बीमारी लंबे समय तक यूजीआर की सफाई नहीं होने से होती है। शनिवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सोसायटी में स्वास्थ्य शिविर लगाया। सुबह 10 से दोपहर दो बजे 39 लोग उपचार के लिए पहुंचे। इनमें ज्यादा मरीजों को उल्टी, पेट में दर्द, दस्त, सिर दर्द की समस्या थी। एक मरीज के शरीर पर लाल चकत्ते, दाने और खुजली की समस्या मिली है।

त्वचा पर होती है खुजली

लोगों ने बताया कि पिछले एक सप्ताह में 40 से ज्यादा लोगों को ऐसी बीमारी हुई है। हॉट टब रैश से त्वचा पर खुजली होती है। रात में ठीक से नींद नहीं आती है। वहीं, शनिवार तक पानी जांच रिपोर्ट नहीं आई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जांच रिपोर्ट घटना वाले दिन ही आनी चाहिए थी।

जांच रिपोर्ट में देरी होने के कारण वह बाहर का पानी खरीद रहे हैं। लोग इस पानी से नहाने के साथ पकड़े और बर्तन भी नहीं धो पा रहे हैं। शिविर में उपस्थित डॉ. स्मृति शर्मा ने बताया कि एक मरीज त्वचा रोग का आया था। उसे दवा और परामर्श दिया था।

जीडीए बना मूकदर्शक

सोसायटी में गंगाजल की आपूर्ति की जाती है। गंगाजल की आपूर्ति करने का जिम्मा जीडीए के पास है। घटना के दूसरे दिन शनिवार के भी जीडीए का कोई अधिकारी सोसायटी में निरीक्षण करने नहीं पहुंचा। लोगों का कहना है कि जीडीए के अधिकारी मूकदर्शक बन गए हैं। जीडीए के अधिशासी अभियंता आलोक रंजन ने बताया कि यह सोसायटी व बिल्डर के बीच का मामला है। स्वास्थ्य विभाग पानी की जांच रिपोर्ट देगा। उसी के आधार पर कार्रवाई होगी।

जब तक सभी लोगों का स्वास्थ्य ठीक नहीं होगा हमारी सोसायटी में शिविर लगाएगी। पानी के नमूने की जांच रिपोर्ट रविवार को आ जाएगी। इसके बाद आगे की कार्रवाई होगी। जीडीए को जांच रिपोर्ट भेजी जागेगी।

-डॉ. भवतोष शंखधर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी।

यह था मामला

इंदिरापुरम की साया गोल्ड एवेन्यू सोसायटी में शुक्रवार को 200 से ज्यादा लोग दूषित पानी पीने से बीमार हो गए थे। इनमें 110 बच्चे शामिल थे। कुछ बच्चे अस्पताल में भर्ती कराने पड़े थे। लोगों का आरोप है कि अंडरग्राउंड रिजर्वायर (यूजीआर) की सफाई नहीं होती है।

बेसमेंट में सीवर का पानी भरा है। सीवर का पानी पेयजल में मिल गया है। स्वास्थ्य विभाग ने सोसायटी से पानी के 15 नमूने लेकर जांच के लिए भेज दिए थे। लोगों को तीन दिन से पेट दर्द, उल्टी, जी मिचलाना, सिर दर्द आदि की शिकायत थी। विरोध में लोगों हंगामा किया था।

घर बनाने का सपना देख रहे लोगों के लिए खुशखबरी, जीडीए ला रहा नई योजना

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद में घर बनाने का सपना संजोए बैठे लोगों के लिए खुशखबरी है। लोगों की आवासीय जरूरतों को देखते हुए जीडीए जल्द ही योजना ला रहा है। जीडीए उपाध्यक्ष ने नियोजन व अभियंत्रण अनुभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को स्पष्ट हिदायत दी है कि आचार संहिता हटने तक जमीन पर भूखंडों के सृजन व साइट प्लान बनाने का काम हर हाल में पूरा कर लें।

गाजियाबाद। एनसीआर में आशियाना बनाने का सपना संजोए बैठे लोगों के लिए खुशखबरी है। आचार संहिता हटने के बाद जीडीए कनावनी गांव की जमीन पर इंदिरापुरम विस्तार योजना में 80 हजार वर्गमीटर जमीन पर भूखंड सृजित कर लोगों की आवासीय जरूरतों को पूरा करेगा। जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स के निर्देश पर नियोजन अनुभाग भूखंडों के सृजन व अभियंत्रण अनुभाग योजना का साइट प्लान तैयार करने में जुट गए हैं। दरअसल, कनावनी स्थित जमीन जहां इंदिरापुरम विस्तार योजना लाई जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट से जीडीए के पक्ष में हुआ फैसला

इस जमीन के अधिग्रहण से संबंधित मुकदमे हाई कोर्ट व सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन थे। इसी कारण उक्त जमीन का नियोजन अभी तक नहीं किया गया था। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट से जीडीए के पक्ष में फैसला हुआ, जिसके बाद जीडीए ने इंदिरापुरम विस्तार योजना में जमीन पर कब्जा भी ले लिया है।

जीडीए उपाध्यक्ष ने नियोजन व अभियंत्रण अनुभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को स्पष्ट हिदायत दी है कि आचार संहिता हटने तक जमीन पर भूखंडों के सृजन व साइट प्लान बनाने का काम हर हाल में पूरा कर लें। जीडीए उपाध्यक्ष की सख्ती का असर है कि दोनों अनुभागों के अधिकारी-कर्मचारी जोर-शोर से काम में जुटे हैं। इस योजना में ग्रुप हाउसिंग के भूखंड के साथ छोटे आवासीय व व्यावसायिक भूखंड भी होंगे।

नीलामी में दोगुने रेट पर बिकते हैं जीडीए के भूखंड

आवासीय भूखंड का रेट 85 हजार रुपये प्रति वर्गमीटर व व्यावसायिक भूंखड की रेट 1.50 लाख रुपये प्रति वर्गमीटर आरक्षित है। आचार संहिता हटने के बाद जीडीए नीलामी के जरिये भूखंडों को बेचेगा। नीलामी में जीडीए के भूखंड आरक्षित मूल्य से करीब डेढ़ और दोगुने रेट पर बिकते हैं। सड़क व ग्रीन बेल्ट की जमीन छोड़ने के बाद भी 80 हजार वर्गमीटर जमीन में से जीडीए करीब 55-60 हजार वर्ग मीटर जमीन बेच सकेगा।

मतांतरण के लिए उकसाने पर चार युवतियों समेत छह गिरफ्तार, कोलकाता और दक्षिण भारत राज्यों की रहने वाली हैं सभी

कोतवाली एक्सप्रेस-वे क्षेत्र में बीटेक की छात्रा और उसकी चचेरी बहन को मतांतरण के लिए उकसाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने रविवार को छात्रा के पिता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर चार युवती समेत छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां उसे उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

नोएडा। कोतवाली एक्सप्रेस-वे क्षेत्र में बीटेक की छात्रा और उसकी चचेरी बहन को मतांतरण के लिए उकसाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने रविवार को छात्रा के पिता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर चार युवती समेत छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां उसे उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार, जेपी विशटाउन की एक सोसायटी के एक व्यक्ति ने दर्ज कराई शिकायत में बताया कि बेटी बस से उतरकर घर आती है तो गुलशन माल के पास ईशू, रूथु समेत चार युवतियां और एक युवक उससे मिलते हैं। ये लोग उसे धार्मिक पुस्तक पढ़ने के लिए बुलाते हैं तथा उससे कहते हैं कि आप हमारे घर पर आओ। सभी ने शिकायतकर्ता के साले की बेटी के साथ भी इसी तरह का प्रयास किया।

पीड़ति ने आशंका व्यक्त की है कि ये लोग धार्मिक पुस्तक पढ़ने के बहाने घर पर बुलाकर मतांतरण कराने का रैकेट चलाते हैं। पुलिस ने रविवार को वाई वाई बोन, अभिरैना, ऋषभ नायर, रवि तेजा, ईशु और रूथु को गिरफ्तार कर लिया है।

रिफ्त में आए आरोपितों में वह मकान मालिक भी शामिल है, जिसके यहां अन्य पांच रहते थे और लोगों को धार्मिक पुस्तक पढ़ने के लिए बुलाते थे। युवतियों से जब पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि परास्नातक की पढ़ाई करने के लिए आई थीं और कई युवतियों के संपर्क में आ गईं। धार्मिक पुस्तक पढ़ने के लिए अबतक युवतियों ने कितने लोगों को उकसाया इस बारे में उन्होंने पुलिस को कोई जानकारी नहीं दी है।

गुजरने वाली किशोरियों को बरगलाते थे आरोपित

शिकायतकर्ता के मुताबिक जेपी विशटाउन और वाजिदपुर गांव के पास स्थित गुलशन माल के आसपास से गुजरने वाली किशोरियों को जबरन दूसरे धर्म की पुस्तकें पढ़ने के लिए बरगलाते थे। पिछले कुछ दिनों से गुलशन माल और विश टाउन के आसपास एक समुदाय विशेष के लोग सक्रिय थे जो किशोरियों को रास्ते में रोककर उनको भ्रमित कर धार्मिक पुस्तक पढ़ाकर मतांतरण का प्रयास कर रहे हैं।

दक्षिण भारत के राज्यों के हैं आरोपित

मतांतरण कराने का प्रयास करने वाली कुछ महिलाएं और युवतियां आंध्र प्रदेश, केरल, कोलकाता और तमिलनाडु की रहने वाली हैं। आरोपित युवतियां और महिलाएं आसपास की युवतियों को घर पर बुलाती हैं ताकि उनका मतांतरण किया जा सके। उनकी बेटी भी कुछ इसी तरीके से शिकार हुई थी, लेकिन उसने घर जाने से मना कर दिया। बाद में फोन नंबर पर कॉल आने लगी।

7 राज्यों में 25 रैलियां, हिंदुत्व की धार, योगी का

मृत्युंजय दीक्षित

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ न केवल उत्तर प्रदेश में ताबड़तोड़ रैलियां कर रहे हैं अपितु दूसरे राज्यों में भी उसी तरह प्रचार कर रहे हैं। अब तक 24 दिनों में वो सात राज्यो में 25 रैलियां व दो रोड शो कर चुके हैं। दूसरे राज्यों में योगी जी की लोकप्रियता बुलडोजर बाबा के रूप में भी हो रही है।

लोकसभा चुनाव के दो चरण का मतदान पूरा हो चुका है और उनकी रिपोर्ट के आधार पर सभी राजनैतिक दलों ने अगले चरण के मतदान के लिए अपनी सारी ताकत झोंक दी है। वर्तमान राजनैतिक परिदृष्य में सभी दलों के स्टार प्रचारक अपनी विचारधारा के प्रचार में जुटे हैं। 2024 लोकसभा चुनावों में सबसे अधिक स्टार प्रचारक भारतीय जनता पार्टी के पास हैं जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं, "अबकी बार 400 पार के नारे" के साथ संपूर्ण भारत में आक्रामक प्रचार में जुटे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बाद जो स्टार प्रचारक सबसे अधिक चर्चा में है वह हैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ न केवल उत्तर प्रदेश में ताबड़तोड़ रैलियां कर रहे हैं अपितु दूसरे राज्यों में भी उसी तरह प्रचार कर रहे हैं। अब तक 24 दिनों में वो सात राज्यो में 25 रैलियां व दो रोड शो कर चुके हैं। योगी जी की मांग सबसे अधिक उन सीटों व क्षेत्रों में है जहां राजपूत व क्षत्रिय मतदाता अधिक हैं तथा जहां ध्रुवीकरण की संभावना अधिक है वह उन स्थानों पर भी रैलियां कर रहे हे जो हिंसा से प्रभावित रहे हैं। दूसरे राज्यों में योगी जी की लोकप्रियता बुलडोजर बाबा के रूप में भी हो रही है।

योगी जी अब तक पश्चिम बंगाल, राजस्थान, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ जम्मू-कश्मीर और बिहार में रैलियां कर चुके हैं। बंगाल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चार रैलियां की हैं जो मुस्लिम बहुल और हिंसा से प्रभावित क्षेत्रों में हुई है। योगी जी ने आसनसोल ल में भी रैली की जहां भाजपा दो बार जीत चुकी है। बंगाल एक ऐसा राज्य है जहां के कटटरपंथी मौलाना मुख्मयंत्री योगी जी को देख लेने की धमकी तक दे चुके हैं किंतु वह बंगाल जाकर और अधिक आक्रामक होकर हिंदुत्व का प्रचार प्रसार कर रहे हैं। वह अपनी जनसभा में बंगाल में रामनवमी पर हुई हिंसा की याद दिलाते हुए कहते है कि "अगर कोई यूपी में रामनवमी के अवसर पर दंगा करता है तो उसे उल्टा लटकाकर ठीक कर दिया जाता है"। उन्होंने बंगाल में योगी जी ने साफ सन्देश दिया कि मोदी जी की तीसरी बार सरकार आने पर रामनवमी और वैशाखी के दंगाइयों और सन्देशखाली के जिम्मेदार गुंडो को सजा दिलाने का काम करेंगे।

छत्तीसगढ़ में योगी जी ने तीन रैलियां की हैं जिसमें दो सीटें कांग्रेस व एक भाजपा की रही है। नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्र में योगी जी का 21 बुलडोजर से बेहद भव्य स्वागत किया गया था जो बहुत चर्चित रहा था। यहां पर उन्होंने लव जिहाद व नक्सलवाद के साथ कांग्रेस के आंतरिक समझौते का मुद्दा मुखरता के साथ उठाया।

मुख्यमंत्री योगी ने उत्तराखंड की 5 लोकसभा सीटों के लिए 4 रैलियां की और उसमें उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश हो या उत्तराखंड या देश को कोई भी कोना जो कानून नहीं मानेगा उसका राम नाम सत्य ही होगा। कुछ लोगों को लगता था कि अपराध करेंगे तो जेल चले जाएंगे लेकिन जेल जाने से पहले ही हम जहन्नुम में पहुंचा देते हैं। राजस्थान में भी उन्होंने चार रैलियां व 2 रोड शो किये जिनमें भारी भीड़ आयी। राजस्थान में उन्होंने देश की सुरक्षा का मुददा जोर शोर से उठाया और कहा कि कांग्रेस देश की सुरक्षा व आस्था के साथ खिलवाड़ कर रही है। योगी का कहना है कि आज देश में कहीं पर पटाखा भी फटता

है तो सबसे पहले पाकिस्तान सफाई देता है कि हमारा उसमें कोई हाथ नहीं है क्योंकि उसे पता है कि उसका क्या परिणाम होगा क्योकि यह बदला हुआ भारत है। राजस्थान में योगी ने राजपूत ,जाट व मीणा समाज के बाहुल्य क्षेत्रों तथा जहां पर हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण भी आसानी से हो जाता है वहां पर रैलियां कर समां बांधा है। इसी प्रकार महाराष्ट्र में भी वह 6 रैलियां कर चुके हैं। अभी तक बिहार में केवल दो रैलियां ही हो पाई है किंतु वहां पर अभी उनकी और रैलियां प्रस्तावित हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 400 पार के नारे के साथ अबकी बार यूपी में 80 की 80 सीटों पर कमल खिलाने के संकल्पवान हैं और वह इसके लिए काफी कड़ी मेहनत भी कर रहे हैं अब उस मेहनत का उन्हें कितना प्रतिफल मिलता है यह तो 4 जून 2024 की मतगणना के दिन ही तय हो सकेगा। यूपी में भी योगी 75 से अधिक रैलियां व रोड षो कर चुके है।

उत्तर प्रदेश की रैलियों में योगी जी आक्रामकता के साथ सपा, बसपा व कांग्रेस पर हमलावर हो रहे है। वह कांग्रेस को उसके घोषणापत्र के छिपे हुए हिंदू विरोधी एजेंडे के आधार पर बेनकाब कर रहे हैं। योगी जी स्पष्ट रूप से हमला करते हुए कह रहे हैं कि अगर कांग्रेस व इंडी गठबंधन के लोग सत्ता में वापस आये तो यह लोग देश में शरिया लागू कर देंगे और हमारे गोवंश को कसाइयो के हाथों में दे देंगे। योगी जी अपनी हर जनसभा में जनता को याद दिला रहे हैं कि कांग्रेस के कारण ही अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण लटका रहा। कांग्रेस ने ही भगवान राम को कोर्ट में काल्पनिक बताया था। संपत्ति के विभाजन, मंगल सूत्र और विरासत टैक्स का मुद्दा भी वे अपनी रैलियों में उठा रहे हैं। योगी जी बेटियों की सुरक्षा व कानून व्यवस्था पर कोई समझौता नहीं करने वाले हैं और वह बार-बार कहते हैं कि अगर कोई बहिन-बेटियो की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करेगा तो उसका राम नाम सत्य ही होगा। योगी जी कह रहे हैं कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम का काम हो गया अब मथुरा की गलियां भी श्रीकृष्ण की बांसुरी सुनने के लिए बैचेन हो रही हैं। अब वह काम भी जल्द ही पूरा हो जाएगा। योगी जी का कहना है कि कांग्रेस पहले तो केवल दिशाहीन थी किंतु अब तो नेतृत्वविहीन भी हो चुकी है। योगी जी कहते हैं कि कांग्रेस को वोट देने से कोई बड़ा पाप नहीं हो सकता।

दूसरे राज्यों में जाने पर योगी जी का भव्य स्वागत किया जाता है। इसमें कोई दो राय नही कि उत्तर प्रदेश में अयोध्या में दिव्य, भव्य एवं नव्य राम मंदिर बन जाने के बाद उनकी लोकपियता में भारी वृद्धि हुई है तथा उत्तर प्रदेश में धार्मिक पर्यटन का व्यापक विस्तार व विकास हो रहा है। अभी लखनऊ में आयोजित आईपीएल टूर्नामेट के मुकाबले के लिए पधारे क्रिकेट खिलाड़ी पीटरसन से लखनऊ एयरपोर्ट की तारीफ करते हुए योगी जी की प्रशंसा की और उसे सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा कि उत्तर प्रदेश में अविश्वसनीय विकास व अच्छा काम हो रहा है। योगी जी के नेतृत्व में कानून का राज है, अपराधियों का मनोबल गिरा हुआ है और विकास के लिए निवेश का मार्ग प्रशस्त हो रहा है।

भगवा वस्त्र, वाणी में ओज, हृदय में सनातन, आचरण में संत योगी जी इस चुनाव में हिंदुत्व का प्रमुख स्वर हैं।

कूलिंग टावर बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग, धमाके के साथ 1000 से ज्यादा केमिकल के ड्रम फटे

परिवहन विशेष न्यूज

औद्योगिक क्षेत्र साइट चार स्थित एनवायर्नमेंट इन्फॉर्मेशन बोर्ड पहाड़पुर कूलिंग टावर्स लिमिटेड फैक्ट्री में रविवार रात साढ़े नौ बजे आग लग गई। फैक्ट्री में हजारों केमिकल से भरे ड्रम रखे थे। देर रात टी ड्रम धमाके के साथ फटते रहे। कई किलोमीटर तक धमाके की आवाज सुनाई देती रही। अग्निशमन विभाग की टीम आग बुझाने में जुटी रही।

गाजियाबाद। औद्योगिक क्षेत्र साइट चार स्थित एनवायर्नमेंट इन्फॉर्मेशन बोर्ड पहाड़पुर कूलिंग टावर्स लिमिटेड फैक्ट्री में रविवार रात साढ़े नौ बजे आग लग गई। फैक्ट्री में हजारों केमिकल से भरे ड्रम रखे थे। देर रात टी ड्रम धमाके के साथ फटते रहे। कई किलोमीटर तक धमाके की आवाज सुनाई देती रही। अग्निशमन विभाग की टीम आग बुझाने में जुटी रही। देर रात तक आग में किसी के फंसे होने की पुलिस और अग्निशमन विभाग ने पुष्टि नहीं की।

औद्योगिक क्षेत्र साइट चार की भूखंड संख्या नौ पर फैक्ट्री लगभग 14 एकड़ में बनी है। इस फैक्ट्री में लगभग 700 से ज्यादा लोग काम करते हैं। फैक्ट्री में चार प्लांट लगे हैं। प्लांटो में कूलिंग टावर के अलग-अलग पाट्र्स बनते हैं। फाइबर की सीट भी बनती हैं। फाइबर की सीट भी कूलिंग टावर में लगती है।

फैक्ट्री में बड़ी मात्रा में केमिकल का प्रयोग होता है। रविवार को छुट्टी का दिन होने के कारण फैक्ट्री के तीन प्लांट बंद थे। एक प्लांट में काम चल रहा था। जिस वजह से फैक्ट्री में ज्यादा संख्या में कर्मचारी नहीं थे। आग लगने पर सभी कर्मचारी बाहर आ गए। रविवार रात लगभग 9:30 बजे फैक्ट्री के बंद प्लांट में एक जोरदार धमाका हुआ और आग लग गई।

फैक्ट्री में तैनात सिक्योरिटी गार्ड ने पहले खुद ही आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन केमिकल और ज्वलनशील समान अधिक मात्रा में होने की वजह से आग बुझाने की बजाय तेजी से फैलती चली गई। इसकी सूचना तुरंत अग्निशमन विभाग को दी गई। 20 मिनट बाद अग्निशमन की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग बुझानी शुरू की। देर रात तक आग बुझाने का काम जारी रहा। फैक्ट्री के साइट इंचार्ज संजय गर्ग ने बताया कि आग लगने

का कारण नहीं पता पता चला है। अनुमान है कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी है।

आग बुझाने के इंतजाम नाकाफी

फैक्ट्री में ज्वलनशील सामान और केमिकल का इस्तेमाल होने के बाद भी आग बुझाने के इंतजाम नाकाफी थे। फैक्ट्री में आग बुझाने के ठोस इंतजाम नहीं किए गए। यदि आग बुझाने के पुख्ता इंतजाम होते तो तुरंत ही आग पर काबू पाया जा सकता था।

केमिकल पर पानी का हुआ कम असर

फैक्ट्री में बड़ी संख्या में केमिकल से भरे ड्रम रखे हुए हैं। इनमें लग रही आग को बुझाने के लिए अग्निशमन विभाग की टीम में पानी का प्रयोग किया लेकिन केमिकल पर पानी का असर बहुत कम हुआ। जिस वजह से आग बुझाने में मुश्किल हुई।

आग बुझाने में मदद करने के लिए दौड़ पड़े कर्मचारी फैक्ट्री के सामने ही महाराजपुर गांव है। इस गांव में बड़ी संख्या में इस फैक्ट्री में काम करने वाले कामगार रहते हैं। आग लगने की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में कामगार फैक्ट्री पहुंच गए। कामगारों ने आग बुझाने में मदद की। जो सामान जला नहीं था उसे अलग करने के लिए जुट गए। बिना जले सामान को फैक्ट्री से देर रात तक बाहर निकालने का काम जारी रहा।

बिना जले सामान को हटाया गया। आज को फैलने से रोकने के लिए बुलडोजर और अन्य वाहनों में बिना जले सामान को हटाया गया फैक्ट्री से सामान को दूसरी जगह पर शिफ्ट किया गया। देर रात तक सामान शिफ्ट करने का काम जारी रहा।

क्या होता है कूलिंग टावर

कूलिंग टावर एक विशेष हीट एक्सचेंजर है। इसमें पानी का तापमान कम करने के लिए हवा और पानी को एक दूसरे के सीधे संपर्क में लाया जाता है। ऐसे कुछ पानी वाष्पित हो जाता है। जिससे टावर के माध्यम से प्रसारित होने वाले पानी का तापमान कम हो जाता है।

मारुति एरीना की कारों पर मई 2024 में मिल रहा हजारों रुपये बचाने का मौका, जानें किस कार पर क्या है ऑफर

देश की सबसे ज्यादा कारों की बिक्री करने वाली कंपनी मारुति सुजुकी की ओर से May महीने में एरिना डीलरशिप में उपलब्ध कारों पर हजारों रुपये के डिस्काउंट ऑफर दिए जा रहे हैं। कंपनी की ओर से किस कार को खरीदने पर कितना कैश डिस्काउंट एक्सचेंज बोनस और कॉर्पोरेट बोनस के तौर पर डिस्काउंट ऑफर किया जा रहा है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। मई 2024 में अगर आप कार खरीदने का मन बना रहे हैं, तो मारुति सुजुकी एरिना की कई कारों पर कंपनी की ओर से डिस्काउंट ऑफर किए जा रहे हैं। कंपनी की ओर से किस कार पर कितना डिस्काउंट कंपनी की ओर से ऑफर किया जा रहा है। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

ऑल्टो के10

मारुति की ओर से Alto K-10 पर May 2024 में अधिकतम 63100 रुपये के ऑफर दिए जा रहे हैं। कंपनी ऑल्टो के10 पर 45 हजार रुपये का कन्ज्यूमर ऑफर, 15 हजार रुपये का एक्सचेंज बोनस और अतिरिक्त बेनिफिट के तौर पर 3100 रुपये के ऑफर दे रही है।

एस प्रेसो

मारुति की S-Presso कार पर भी May 2024 में अधिकतम 58100 रुपये के ऑफर दिए जा रहे हैं। May महीने में 40 हजार रुपये के कन्ज्यूमर ऑफर के साथ ही इस गाड़ी पर 15 हजार रुपये का एक्सचेंज बोनस और 3100 रुपये का कॉर्पोरेट डिस्काउंट का फायदा मिल रहा है।

सेलेरियो

Celerio पर मारुति May महीने में अधिकतम 58100 रुपये के ऑफर दिए जा रहे हैं। सेलेरियो पर May महीने में 40 हजार रुपये के कन्ज्यूमर ऑफर के साथ ही इस गाड़ी पर 15 हजार रुपये का एक्सचेंज बोनस और 3100 रुपये का कॉर्पोरेट डिस्काउंट का फायदा मिल रहा है।

वैगन आर

कंपनी की ओर से Wagon R पर भी अधिकतम 61 हजार रुपये का डिस्काउंट दे रही है। वैगन आर पर भी सेलेरियो की तरह ही May महीने में 40 हजार रुपये के कन्ज्यूमर ऑफर के साथ ही इस गाड़ी पर 15 हजार रुपये का एक्सचेंज बोनस और 3100 रुपये का कॉर्पोरेट डिस्काउंट का फायदा मिल रहा है।

स्विफ्ट

कंपनी की Swift कार को युवाओं के बीच काफी ज्यादा पसंद किया जाता है। इस कार पर भी May महीने में 38100 रुपये तक बचाए जा सकते हैं। इस कार पर May महीने में 20 हजार रुपये के कन्ज्यूमर ऑफर के साथ ही इस गाड़ी पर 15 हजार रुपये का एक्सचेंज बोनस और 3100 रुपये का कॉर्पोरेट डिस्काउंट का फायदा मिल रहा है।

डिजायर

मारुति की ओर से Dzire कार पर भी May 2024 में अधिकतम 33100 रुपये के ऑफर मिल रहे हैं। डिजायर पर 15 हजार रुपये के कन्ज्यूमर ऑफर के साथ ही इस गाड़ी पर 15 हजार रुपये का ही एक्सचेंज बोनस और 3100 रुपये का कॉर्पोरेट डिस्काउंट का फायदा मिल रहा है।

ब्रेजा

मारुति की Brezza पर भी May 2024 में डिस्काउंट दिया जा रहा है। कंपनी की ओर से इस एसयूवी के VXI, ZXI और ZXI+ वेरिएंट को खरीदने पर 10 हजार रुपये का एक्सचेंज बोनस दिया जा रहा है।

पुरानी के मुकाबले 2024 स्विफ्ट में मिलेंगे ये चार बड़े बदलाव, जानें डिटेल

देश की सबसे बड़ी वाहन निर्माता Maruti Suzuki की ओर से जल्द ही भारतीय बाजार में 2024 Swift को पेश किया जा सकता है। डिजाइन फीचर्स इंजन और तकनीक के मामले में पुरानी के मुकाबले नई 2024 Swift में कंपनी की ओर से किस तरह के खास बदलाव किए जा सकते हैं। इसे कब तक लॉन्च किया जा सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। हैचबैक सेगमेंट में सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली कारों की लिस्ट में Maruti Swift भी शामिल है। जानकारी के मुताबिक कंपनी जल्द ही इसकी नई जेनरेशन को लॉन्च कर सकती है। ऐसे में पुरानी Swift के मुकाबले नई 2024 Swift में किस तरह के बदलाव किए जा सकते हैं। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

कई बदलावों के साथ आएगी नई Maruti Suzuki Swift Facelift

मारुति की ओर से जल्द ही स्विफ्ट की नई जेनरेशन (Swift 4th Gen) को भारत में पेश किया जाएगा। इसके पहले कंपनी की ओर से इसकी नई जेनरेशन को जापान और यूरोप के कई देशों में पेश किया जा चुका है। जिसमें कई अहम बदलावों को किया गया है। कंपनी की ओर से अभी इसके बारे में आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन अन्य देशों में नई स्विफ्ट में जो बदलाव किए गए हैं। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि उन बदलावों के साथ ही भारत में भी नई स्विफ्ट को लाया जा सकता है।

2024 Swift के डिजाइन में होंगी ये खूबियां

मारुति की ओर से जल्द ही नई स्विफ्ट को भारतीय बाजार में लॉन्च किया जाएगा। जिसमें पुरानी के मुकाबले कई बदलाव (Swift Facelift vs Prefacelift) देखने को मिलेंगे। जानकारी के मुताबिक पुरानी स्विफ्ट के मुकाबले नई स्विफ्ट में बंपर, फ्रंट ग्रिल, बोनट, हेडलाइट में बदलाव किए जा सकते हैं। इसके अलावा इसके एक्सटीरियर में रियर डोर का हैंडल सी-पिलर की जगह पारंपरिक जगह पर दिया जाएगा।

इंटीरियर में होंगे ये बदलाव

गाड़ी के इंटीरियर में भी कंपनी की ओर से कुछ बदलाव किए जा सकते हैं। मौजूदा वर्जन में कंपनी की ओर से सिंगल टोन कलर को दिया जाता है। जबकि नए वर्जन में इसे ड्यूल टोन इंटीरियर के साथ लाया जा सकता है। इसके साथ ही इसमें नया इंफोटेनमेंट सिस्टम, छह एयरबैग, इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर में हल्के बदलावों के साथ लाया जा सकता है।

लंबाई-चौड़ाई में होगा फर्क

पुरानी स्विफ्ट के मुकाबले नई स्विफ्ट के डायमेंशन में भी फर्क देखने को मिल सकता है।

आनंद महिंद्रा ने X पर शेयर की सड़क पार करते हुए बाघ की तस्वीर, पोस्ट से दिया खास संदेश

जो तस्वीर Anand Mahindra ने एक्स अकाउंट पर शेयर की है। उसमें एक घना जंगल और हाईवे दिख रहा है। यह राष्ट्रीय राजमार्ग 44 है जिसके नीचे एक बाघ निकल रहा है। हाईवे के नीचे से जानवरों के लिए यह रास्ता बनाया गया है। इसकी वजह से जानवरों को सड़क पार करने में कोई दिक्कत नहीं आती है। तस्वीर के साथ एक खास संदेश भी दिया है।

तस्वीर को शेयर करते वक्त महिंद्रा ने लिखा कि पेंच टाइगर रिजर्व के माध्यम से एनएच 44 के हिस्से, ऊंचे राजमार्ग की तस्वीरों का अद्भुत संयोजन। इसका निर्माण राजमार्ग के नीचे वन्यजीवों की बिना किसी रुकावट आवाजाही की अनुमति देने के लिए किया गया था.. और यह बाघ इसका पूरा फायदा उठा रहा है।

नई दिल्ली। Mahindra & Mahindra ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा एक्स पर खूब एक्टिव रहते हैं। यह अपने एक्स हैंडल पर कई मोटिवेशनल वीडियो भी साझा करते हैं। अब हाल ही में इन्होंने एक्स पर एक तस्वीर साझा की है, जो खास संदेश दे रही है।

इसकी एक्स यूजर्स भी खूब तरीफ कर रहे हैं। इस तस्वीर में दो बेहद खास नजारे दिख रहे हैं पहला तो राष्ट्रीय राजमार्ग 44 का ऊंचा रास्ता और दूसरे उसके नीचे से निकल रहा है बाघ।

तस्वीर से दिया खास संदेश

जो तस्वीर आनंद महिंद्रा ने एक्स अकाउंट पर शेयर की है। उसमें साफतौर पर एक घना जंगल दिख रहा है, जिसमें से एक हाईवे निकल रहा है। यह राष्ट्रीय राजमार्ग 44 है, जिसके नीचे एक बाघ निकल रहा है। हाईवे के नीचे से जानवरों के लिए यह रास्ता बनाया गया है। इसकी वजह से जानवरों को सड़क पार करने में कोई दिक्कत नहीं आती है।

तस्वीर को शेयर करते वक्त महिंद्रा ने लिखा कि पेंच टाइगर रिजर्व के माध्यम से एनएच 44 के हिस्से, ऊंचे राजमार्ग की तस्वीरों का अद्भुत संयोजन। इसका निर्माण राजमार्ग के नीचे वन्यजीवों की बिना किसी रुकावट आवाजाही की अनुमति देने के लिए किया गया था.. और यह बाघ इसका पूरा फायदा उठा रहा है।

लोग कर रहे हैं तारीफ

आनंद महिंद्रा के द्वारा साझी की गई इस तस्वीर पर यूजर्स भी खूब दिलचस्पी ले रहे हैं और आनंद महिंद्रा की तारीफ कर रहे हैं। यह तस्वीर टिकाऊ विकास और वन्यजीव संरक्षण को दर्शाने का काम करती है।

महिंद्रा ने लॉन्च की है XUV 3XO

बता दें हाल ही में महिंद्रा ने Mahindra XUV 3XO को भारतीय मार्केट में लॉन्च किया गया है। इस गाड़ी को कई आधुनिक फीचर्स के साथ पेश किया गया है। इसकी कीमत 7.49 लाख रुपये एक्सशोरूम से शुरू होती है। गाड़ी के लिए 15 मई से बुकिंग शुरू होने वाली है। इस गाड़ी में सेफ्टी का पूरा ख्याल रखा गया है। इसमें Level-2 ADAS मिलता है।

तस्वीर को शेयर करते वक्त महिंद्रा ने लिखा कि पेंच टाइगर रिजर्व के माध्यम से एनएच 44 के हिस्से, ऊंचे राजमार्ग की तस्वीरों का अद्भुत संयोजन। इसका निर्माण राजमार्ग के नीचे वन्यजीवों की बिना किसी रुकावट आवाजाही की अनुमति देने के लिए किया गया था.. और यह बाघ इसका पूरा फायदा उठा रहा है।

500 सीसी से ज्यादा बड़े इंजन वाली बाइक्स की बिक्री कैसी रही, कौन सी बाइक्स बनीं भारतीयों की पसंद, जानें डिटेल

देश में हर महीने लाखों की संख्या में दो पहिया वाहनों की बिक्री होती है। लेकिन 500 सीसी और उससे ज्यादा की क्षमता वाली सुपर बाइक को भी काफी ज्यादा पसंद किया जाता है। सियाम की रिपोर्ट के मुताबिक March 2024 के दौरान देश में किस कंपनी की ओर से कितनी Super Bike Sale की गई हैं। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारत में बड़ी संख्या में लोग Super Bike को चलाना पसंद करते हैं। सियाम की ओर से जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2024 के दौरान 500 सीसी और उससे ज्यादा क्षमता वाली बाइक्स की Sale कैसी रही। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

500 से 800 सीसी Bikes की कैसी रही बिक्री

500 से 800 सीसी Super Bike सेगमेंट में होंडा, कावासाकी, रॉयल एनफील्ड, सुजुकी और ट्रायम्फ की बाइक्स को ऑफर किया जाता है। सियाम की रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2024 के दौरान इस सेगमेंट में Super Bike Sale पिछले साल के मुकाबले कम रही। 500 से 800 सीसी की बाइक्स की कुल 2618 यूनिट्स की बिक्री हुई। जबकि इससे पहले मार्च 2023 के दौरान इसी सेगमेंट में कुल बिक्री 3855 यूनिट्स की थी। इस सेगमेंट में होंडा सीबीआर 650एफ, निंजा 650, सुपर मीटियोर 650, 650 ट्विन और स्ट्रीट ट्रिपल जैसी Super Bike आती हैं।

800 से 1000 सीसी बाइक्स

800 से 1000 सीसी बाइक सेगमेंट में कावासाकी निंजा एच2 एसएक्स, ट्रॉयम्फ की बोनविले टी100 और स्पीड जैसी बाइक्स आती हैं। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स की ओर से जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक बीते महीने में इस सेगमेंट में कुल 199 यूनिट्स की बिक्री हुई है। जबकि पिछले साल इसी अवधि के दौरान 153 बाइक्स की बिक्री हुई थी।

एक हजार सीसी से ज्यादा बड़ी Super Bike

भारत में लीटर क्लास और उससे ऊपर के इंजन की क्षमता वाली बाइक्स की भी बिक्री होती है। हीरो मोटोकॉर्प हॉर्ले डेविडसन की बाइक्स की भारत में बिक्री करती है। जिनमें 1200 एक्स 48, नाइटस्टर, पैन अमेरिका, सुजुकी हायाबूसा और ट्रॉयम्फ की बोनविले बॉबर जैसी Super Bike की बिक्री होती है। सियाम की रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2024 के दौरान भारतीय बाजार में इस सेगमेंट की कुल 39 बाइक्स की बिक्री हुई। जबकि पिछले साल मार्च 2023 में इस सेगमेंट की कुल बिक्री 64 यूनिट्स रही थी।

बी NCAP जल्द जारी करेगी नई कारों के क्रेस टेस्ट की रिपोर्ट, क्या मारुति की स्विफ्ट 2024 भी होगी लिस्ट में शामिल, जानें डिटेल

भारत में कारों की सुरक्षा जांच करने वाली संस्था B-NCAP (भारत एनसीएपी) की ओर से जल्द ही नई कारों के Crash Test की रिपोर्ट को जारी किया जा सकता है। संस्था की ओर से सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी गई है। क्या जारी होने वाली रिपोर्ट में मारुति की नई Swift 2024 भी शामिल हो सकती है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। देश में कारों की सुरक्षा की जांच के लिए बनाए गए B-NCAP जल्द ही अपनी नई लिस्ट को जारी करने वाली है। इस रिपोर्ट में कौन सी कंपनियों की कारें शामिल हो सकती हैं और क्या इसमें मारुति की Swfit 2024 को भी शामिल किया जा सकता है। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

जल्द जारी होगी नई रिपोर्ट

भारत एनसीएपी B-NCAP की ओर से जल्द ही नई कारों के Crash Test के नतीजों वाली रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जा सकता है। संस्था की ओर से इस बात की जानकारी को सोशल मीडिया पर दिया गया है। 13 सेकेंड के एक वीडियो को जारी किया गया है। जिसमें बताया जा रहा है कि जल्द ही नई कारों के नतीजों का सेट जारी होगा।

किन कारों के आएंगे नतीजे

B-NCAP की ओर से जारी 13 सेकेंड के वीडियो में सिर्फ जल्द नतीजों के नए सेट को लेकर जानकारी दी गई है। फिलहाल इसकी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है कि किस कंपनी की कौन सी कार के क्रैश टेस्ट के नतीजों को सार्वजनिक किया जा सकता है। लेकिन वीडियो में ढकी हुई एक गाड़ी को दिखाया गया है, जो संभवतः BMW या Mercedes Benz की हो सकती है। लेकिन कुछ दिनों पहले ही यह जानकारी सामने आई थी मारुति की ओर से अपनी कारों को क्रैश टेस्ट के लिए आवेदन किया गया है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि मारुति की Swift 2024 का भी क्रैश टेस्ट किया जाए और रिपोर्ट में उसकी जानकारी भी मिल सके

Swift 2024 का जापान में हुआ क्रैश टेस्ट

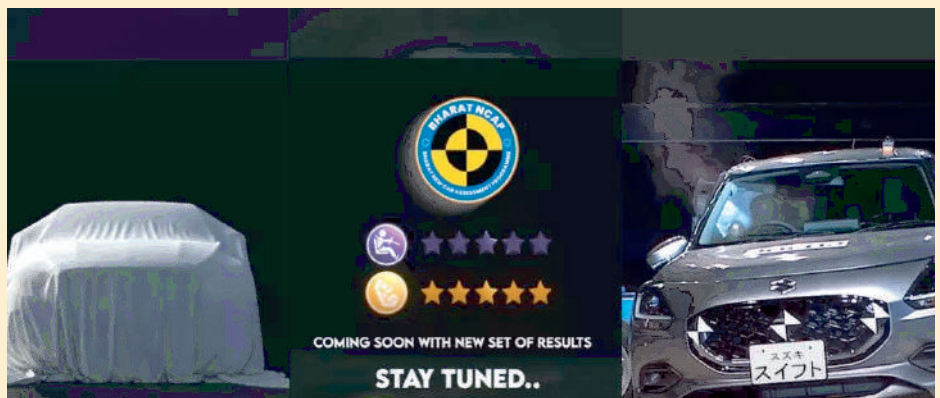

हाल में ही Swift 2024 का जापान में क्रैश टेस्ट किया गया था। जिसमें हैचबैक कार को 4स्टार सेफ्टी रेटिंग मिली थी। हालांकि भारत में 9 मई 2024 को लॉन्च होने जा रही नई Swift 2024 में कई बदलाव किए जाएंगे और कुछ सेफ्टी फीचर्स को भी भारतीय वर्जन में ऑफर नहीं किया जाएगा। लेकिन उम्मीद की जा रही है कि कुछ सेफ्टी फीचर्स को स्टैंडर्ड तौर पर ऑफर किया जा सकता है। जिससे भारतीय वर्जन भी सेफ्टी के मामले में बेहतर होगा।

किसे मिल चुकी है रेटिंग

B-NCAP की ओर से दिसंबर 2023 में Tata Safari और Tata Harrier का Crash Test किया गया था। जिसमें दोनों ही एसयूवी को सेफ्टी के लिए पूरे पांच अंक मिले थे। इसके बाद अभी तक किसी अन्य भारतीय कार, एमपीवी या एसयूवी का क्रैश टेस्ट की रिपोर्ट को जारी नहीं किया गया है। लेकिन संस्था की ओर से अब नई कारों के नतीजों को जल्द सार्वजनिक किया जा सकता है।

BNCAP की कब हुई शुरुआत?

पिछले साल अगस्त में सरकार ने ऑटोमोबाइल के लिए भारत-एनसीएपी, भारत का अपना और स्वतंत्र सुरक्षा प्रदर्शन मूल्यांकन प्रोटोकॉल लॉन्च किया था। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पहले कहा था कि भारत-एनसीएपी को सर्वोत्तम श्रेणी के वैश्विक मानकों के लिए बेंचमार्क किया गया है और इस प्रणाली को अनिवार्य नियमों से परे सड़क सुरक्षा और वाहन सुरक्षा मानकों को आगे बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है।

2024 के लोकसभा चुनावों का असली हीरो है कांग्रेस का घोषणापत्र

पी. चिदम्बरम

2024 के लोकसभा चुनावों के लिए कांग्रेस का घोषणापत्र एक ऐसा उत्पाद था जो 2019 से बन रहा था। राहुल गांधी ने आम लोगों की चिंताओं को सुनने और प्रत्यक्ष रूप से देखने के लिए कन्याकुमारी से कश्मीर तक पैदल ऐतिहासिक यात्रा की। वे कैसे और किन परिस्थितियों में रहते थे और उनकी आकांक्षाएं क्या थीं। उदयपुर कॉन्क्लेव देश के सामने आने वाली चुनौतियों और चुनौतियों की संभावित प्रतिक्रियाओं पर विचार-विमर्श करने के लिए कांग्रेस पार्टी के नेताओं को 3 दिनों तक एक साथ लाया। रायपुर में ए.आई.सी.सी. सत्र ने पार्टी को नीतियों का एक व्यापक और विश्वसनीय मंच तैयार करने में सक्षम बनाया जो राज्य के साथ-साथ राष्ट्रीय चुनावों में भी भाजपा को चुनौती दे सकता है। नव संकल्प आर्थिक नीति उदयपुर में तैयार की गई थी। 'गरीबों के लिए धुरी' एक ऐसी स्थिति थी जिस पर रायपुर में विचार-विमर्श किया गया और अपनाया गया।

कांग्रेस का घोषणापत्र 5 अप्रैल को जारी किया गया था और इसे 'न्याय पत्र' कहा गया था। 46 पृष्ठों में जो सूत्र चला वह 'न्याय' था जिससे लोगों के एक बड़े वर्ग को वंचित कर दिया गया था। 'न्याय' शब्द में सामाजिक न्याय, युवाओं के लिए न्याय, महिलाओं के लिए, किसानों के लिए और श्रमिकों के लिए न्याय शामिल थे। लोगों के बड़े वर्ग के साथ भेदभाव किया गया और उन्हें देश की तेज या धीमी विकास गाथा में भाग लेने के उचित अवसर से वंचित किया गया। कांग्रेस के घोषणापत्र ने जो किया वह 'सबका साथ सबका विकास' के पर्दे को तोडने और देश के शासकों को आईना दिखाने का था। इसने समता और न्याय के साथ वृद्धि और विकास का एक वैकल्पिक दृष्टिकोण भी प्रस्तुत किया। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कांग्रेस के घोषणापत्र को 2024 के चुनावों का हीरो बताया।

शुरूआत में, मोदी और भाजपा ने कांग्रेस के घोषणापत्र को नजरअंदाज करने का फैसला किया। मीडिया ने भी दस्तावेज पर बहुत कम ध्यान दिया। जैसे-जैसे अनुवादित संस्करण राज्यों तक पहुंचे और उम्मीदवारों और प्रचारकों ने गांवों और कस्बों में मुख्य संदेश पहुंचाए, कांग्रेस का घोषणापत्र लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया (पढ़ें : मोदी ने कांग्रेस के घोषणापत्र को फिर से लिखा, इंडियन एक्सप्रैस, पंजाब केसरी 28 अप्रैल, 2024)। 5 अप्रैल के 9 दिन बाद भाजपा ने अपना घोषणा पत्र जारी किया। इस पर किसी ने ध्यान नहीं दिया न ही मोदी ने। 7 दिन बाद, 21 अप्रैल को 102 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान हुआ। जाहिर तौर पर 'खुफिया जानकारी' भाजपा के लिए बुरी खबर थी। यह स्पष्ट हो गया कि जिन मतदाताओं ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों को वोट दिया था, उन्होंने घोषणापत्र में 'वायदों' के लिए वोट दिया था, जैसे उन्होंने कर्नाटक और तेलंगाना में 'गारंटी' के लिए वोट किया था। इससे मोदी को फायदा हुआ और उन्होंने 21 अप्रैल को अपनी रणनीति बदल ली।

भाजपा ने अपने सभी नेताओं और सदस्यों के लिए जो पटकथा तैयार की उससे गोएबल्स को गर्व महसूस हुआ होगा। झूठ, और अधिक झूठ और उससे भी अधिक झूठ यदि सत्य ने झूठ का प्रतिकार किया हो, तो सत्य को अनदेखा कर दो। यहां पिछले 14 दिनों में फैलाए गए झूठ का एक नमूना है।

झूठ : कांग्रेस के घोषणापत्र पर मुस्लिम लीग की छाप है।

सच्चाई : 46 पन्नों में से किसी में भी 'मुस्लिम' शब्द नहीं आया। अल्पसंख्यकों को धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों के रूप में परिभाषित किया गया था और कांग्रेस ने वायदा किया था कि 'भाषाई और धार्मिक अल्पसंख्यकों को भारत के संविधान के तहत मानव और नागरिक अधिकार दिए गए हैं। कांग्रेस इन अधिकारों को बनाए रखने और उनकी रक्षा करने का वचन देती है। एस.सी., एस.टी. और ओ.बी.सी. के कई संदर्भ थे लेकिन किसी भी धार्मिक समुदाय का कोई संदर्भ नहीं था।

झूठ : अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो शरीयत कानून वापस लाएगी।

सच्चाई : घोषणापत्र में कहा गया है कि ''हम व्यक्तिगत कानूनों में सुधार को प्रोत्साहित करेंगे। ऐसा सुधार संबंधित समुदायों की भागीदारी और सहमति से किया जाना चाहिए।''

झूठ : कांग्रेस के घोषणा पत्र में माक्र्सवादी और माओवादी आर्थिक सिद्धांतों की वकालत की गई है।

सच्चाई : अर्थव्यवस्था पर 10 पेज के अनुभाग के परिचय में, कांग्रेस ने कहा, कांग्रेस की आर्थिक नीति पिछले कुछ वर्षों में विकसित हुई है। 1991 में कांग्रेस ने उदारीकरण के युग की शुरूआत की और देश को नियामक निरीक्षण के साथ एक खुली, स्वतंत्र और प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर किया। देश को धन-सृजन, नए व्यवसायों और उद्यमियों, एक विशाल मध्यम वर्ग, लाखों नौकरियों, शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल में महत्वपूर्ण नवाचारों और निर्यात के मामले में भारी लाभ मिला। लाखों लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया। हम एक खुली अर्थव्यवस्था के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं जिसमें आर्थिक विकास निजी क्षेत्र द्वारा संचालित होगा और एक मजबूत और व्यवहार्य सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा पूरक होगा।

झूठ : अगर कांग्रेस चुनी गई तो एस.सी., एस.टी. और ओ.बी.सी. के लिए आरक्षण खत्म कर देगी।

सच्चाई : घोषणापत्र में कहा गया है कि ''कांग्रेस गारंटी देती है कि वह एस.सी., एस.टी. और ओ.बी.सी. के लिए आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा बढ़ाने के लिए एक संवैधानिक संशोधन पारित करेगी। आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ई.डब्ल्यू.एस.) के लिए नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में 10 प्रतिशत का आरक्षण बिना किसी भेदभाव के सभी जातियों और समुदायों के लिए लागू किया जाएगा।

हम एक वर्ष की अवधि के भीतर एस.सी., एस.टी. और ओ.बी.सी. के लिए आरक्षित पदों पर सभी बैकलॉग रिक्तियों को भर देंगे। एस.सी., एस.टी. और ओ.बी.सी. के हितों को आगे बढ़ाने के लिए और भी कई वायदे किए गए।

झूठ : कांग्रेस 'विरासत कर' लगाएगी।

सच्चाई : कराधान और कर सुधारों पर 12-बिंदु अनुभाग में, कांग्रेस ने प्रत्यक्ष कर संहिता बनाने का वायदा किया था; 5 वर्षों के लिए स्थिर व्यक्तिगत आयकर दरें बनाए रखें; 5 प्रतिशत पर उपकर और अधिभार की सीमा, जी.एस.टी. 2.0 पास करें और एम.एस.एम.ई. और छोटे खुदरा व्यवसायों पर करों का बोझ कम करें। विरासत कर की कोई सुगबुगाहट नहीं थी।झूठ फैलाकर और कांग्रेस के घोषणापत्र की सच्चाई को चुनावी बहस में लाकर और भाजपा के घोषणापत्र का कोई संदर्भ न देकर, मोदी ने स्टालिन का समर्थन किया है। उन्होंने स्वीकार किया है कि कांग्रेस का घोषणापत्र 2024 के लोकसभा चुनावों का असली हीरो है।

2024 के लोकसभा चुनावों के लिए कांग्रेस का घोषणापत्र एक ऐसा उत्पाद था जो 2019 से बन रहा था। राहुल गांधी ने आम लोगों की चिंताओं को सुनने और प्रत्यक्ष रूप से देखने के लिए कन्याकुमारी से कश्मीर तक पैदल ऐतिहासिक यात्रा की।

संपादक की कलम से

जिस थाली में खाते हैं उसी में छेद कर रहे-चंद भारतीय

अस्तित्व में आने के समय से ही पाकिस्तान के शासकों द्वारा भारत में जाली करंसी, नशीले पदार्थों, हथियारों की तस्करी, आतंकवादियों की घुसपैठ आदि का सिलसिला लगातार जारी है। इसके साथ ही पाकिस्तान की सेना तथा गुप्तचर एजैंसी आई.एस.आई. प्रलोभन देकर चंद...

अस्तित्व में आने के समय से ही पाकिस्तान के शासकों द्वारा भारत में जाली करंसी, नशीले पदार्थों, हथियारों की तस्करी, आतंकवादियों की घुसपैठ आदि का सिलसिला लगातार जारी है। इसके साथ ही पाकिस्तान की सेना तथा गुप्तचर एजैंसी आई.एस.आई. प्रलोभन देकर चंद देशद्रोही भारतीयों से ही अपने देश के लिए जासूसी भी करवा रही है, जिसके चंद ताजा उदाहरण निम्न में दर्ज हैं :

2 अगस्त, 2023 को कोलकाता पुलिस ने 'भक्त बंशी झा' नामक युवक को पाकिस्तान के लिए जासूसी करने और तस्वीरों, वीडियो तथा ऑनलाइन चैट के जरिए देश की गुप्त सूचनाएं देने के आरोप में गिरफ्तार किया।

13 दिसम्बर, 2023 को महाराष्ट्र एंटी टैररिस्ट स्क्वाड (ए.टी.एस.) ने मुम्बई के मझगांव डॉक में बतौर अप्रैंटिस काम करने वाले गौरव पाटिल नामक व्यक्ति को 'पाकिस्तान बेस्ड इंटैलीजैंस आप्रेटिव' (पी.आई.ओ.) की 2 एजैंटों पायल एंजेल तथा आरती शर्मा को गुप्त जानकारियां शेयर करने के आरोप में गिरफ्तार किया। गौरव पाटिल पर आरोप है कि उसने मई, 2023 से अक्तूबर, 2023 तक सोशल मीडिया प्लेटफार्मों, फेसबुक और व्हाट्सएप के जरिए महिला हैंडलरों के साथ संपर्क के दौरान उनके साथ भारत सरकार द्वारा प्रतिबंधित जानकारी शेयर की और उसके बदले में पैसे लिए। मझगांव डॉक पर काम करने के कारण उसे नौसेना के युद्धपोतों के आने-जाने का पता होता था।

4 फरवरी, 2024 को उत्तर प्रदेश एंटी टैररिस्ट स्क्वाड (ए.टी.एस.) ने आई.एस.आई. के लिए जासूसी करने वाले मास्को (रूस) स्थित भारतीय दूतावास के कर्मचारी सत्येंद्र सिवाल को मेरठ से गिरफ्तार किया।

पूछताछ के दौरान उसने भारतीय दूतावास, रक्षा मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और भारतीय सैन्य इंस्टीच्यूट की महत्वपूर्ण गोपनीय सूचनाएं पाकिस्तानी हैंडलरों को भेजने की बात स्वीकार की।

15 मार्च, 2024 को राजस्थान पुलिस के गुप्तचर विंग ने 'कोटपूतली बहरोड़' जिले के आनंदराज सिंह नामक व्यक्ति को सेना की संवेदनशील जानकारी जमा करके सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान की आई.एस.आई. की 3 महिला हैंडलरों के साथ शेयर करने के आरोप में गिरफ्तार किया।

9 अप्रैल, 2024 को अमृतसर के थाना घरिंडा की पुलिस ने भारतीय सेना की जासूसी करने वाले मूलतः बिहार के रहने वाले मजहर नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। छावनी में जे.सी.बी. चलाने का काम करने वाला मजहर सेना की गुप्त सूचनाओं की वीडियो बना कर पाकिस्तान भेजा करता था।

29 अप्रैल, 2024 को गुजरात एंटी टैररिस्ट स्कवाड (ए.टी.एस.) ने जामनगर के रहने वाले मोहम्मद सकलैन को पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया।

सकलैन के विरुद्ध आरोप है कि उसने एक भारतीय सिम खरीद कर उस पर अपना व्हाट्सऐप एक्टीवेट करवा लिया जिसका इस्तेमाल उसके पाकिस्तानी हैंडलर करते थे। इस नम्बर का इस्तेमल जम्मू-कश्मीर में तैनात भारतीय सेनाधिकारियों की जासूसी करने और मोहम्मद सकलैन के पाकिस्तानी आकाओं को गुप्त जानकारी भेजने के लिए किया जाता था।

चिंतन

आक्रामक चुनाव में कांग्रेस की रक्षात्मक रणनीति !

गांधी -नेहरू परिवार की पारंपरिक लोकसभा सीटों अमेठी और रायबरेली को लेकर जारी सस्पैंस के अंतिम क्षणों में पटाक्षेप से जवाब कम मिले, सवाल ज्यादा उठते हैं। इन सीटों पर नामांकन की अंतिम तिथि वाले दिन ही उम्मीदवारों के ऐलान से कांग्रेस की किसी सुनियोजित...

गांधी -नेहरू परिवार की पारंपरिक लोकसभा सीटों अमेठी और रायबरेली को लेकर जारी सस्पैंस के अंतिम क्षणों में पटाक्षेप से जवाब कम मिले, सवाल ज्यादा उठते हैं। इन सीटों पर नामांकन की अंतिम तिथि वाले दिन ही उम्मीदवारों के ऐलान से कांग्रेस की किसी सुनियोजित रणनीति के बजाय कन्फ्यूजन का संदेश ज्यादा गया। केरल में वायनाड से लगातार दूसरी बार चुनाव लड़ रहे पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी अब रायबरेली से भी लड़ेंगे। 2004 से 2019 तक रायबरेली से लगातार 5 बार जीतीं सोनिया गांधी ने बढ़ती उम्र और स्वास्थ्य कारणों से इस बार राजस्थान से राज्यसभा में चुने जाने का विकल्प चुना।

पिछली बार 2 सीटों से चुनाव लड़े राहुल वायनाड से तो जीत गए, लेकिन अपनी परम्परागत सीट अमेठी से, लगातार 3 बार जीतने के बाद, स्मृति ईरानी से लगभग 55 हजार वोटों से हार गए। इसीलिए लंबे अर्से से गांधी-नेहरू परिवार की पारंपरिक सीटें रहीं अमेठी और रायबरेली को लेकर राजनीतिक गलियारों से लेकर मीडिया तक में अटकलों का बाजार गर्म था। चर्चाएं रहीं कि वायनाड में मतदान हो जाने के बाद राहुल अमेठी से ताल ठोकेंगे, जबकि प्रियंका गांधी अपनी चुनावी राजनीति की शुरूआत रायबरेली से कर सकती हैं।

पिछले दिनों कांग्रेस सूत्रों के हवाले से यह खबर भी आई कि राहुल-प्रियंका के असमंजस के बीच खुद सोनिया गांधी ने दोनों से फोन पर बात की है। यह भी बताया गया कि सोनिया ने यहां तक कहा है कि उन दोनों के चुनाव न लडने का अर्थ दोनों सीटें भाजपा को थाली में रख कर दे देने जैसा होगा। पर 3 मई को नामांकन के अंतिम दिन कांग्रेस ने ऐलान किया कि राहुल, रायबरेली से लड़ेंगे, जबकि अमेठी से गांधी-नेहरू परिवार के निष्ठावान रहे किशोरी लाल शर्मा चुनाव लड़ेंगे। मूलतः पंजाब से आने वाले किशोरी लाल शर्मा दशकों से अमेठी और रायबरेली लोकसभा क्षेत्रों में, वहां से गांधी-नेहरू परिवार के निर्वाचित सांसदों के प्रतिनिधि के रूप में राजनीतिक कामकाज देखते रहे हैं। कोई राजनीतिक दल अपने निष्ठावान को पुरस्कृत करे, यह अच्छी बात है, पर क्या शर्मा के लिए रायबरेली ज्यादा आसान सीट नहीं होती? वहां से भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे दिनेश प्रताप सिंह पुराने कांग्रेसी हैं, और पिछले लोकसभा चुनाव में सोनिया गांधी के विरुद्ध हार चुके हैं। ऐसे में राहुल के खुद रायबरेली से लडने और किशोरी लाल शर्मा को अमेठी में स्मृति ईरानी के विरुद्ध लड़वाने से बहुत सकारात्मक राजनीतिक संदेश नहीं गया है। राहुल को हरा चुकी स्मृति को शर्मा कड़ी टक्कर दे पाएंगे- ऐसा मानने का फिलहाल तो कोई आधार नहीं दिखता।

बेशक राहुल के पास वायनाड के मतदाताओं के प्रति प्रतिबद्धता के आधार पर किसी भी दूसरी सीट से चुनाव न लडने का बेहतर नैतिक आधार हो सकता था, लेकिन रायबरेली से लड़ कर उन्होंने उसे भी गंवा दिया। अगर 2 सीटों से ही चुनाव लड़ रहे हैं, तब अपनी परंपरागत सीट छोड़ कर रायबरेली जाने से भाजपा को यह प्रचार करने का मौका उन्होंने खुद उपलब्ध कराया है कि वह डर गए। माना कि अमेठी से राहुल की जीत तय नहीं थी, पर हार तय मान लेने का क्या कारण रहा? अब भाजपा के इस प्रचार की राहुल और कांग्रेस कैसे काट करेंगे? सवाल यह भी है कि 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' का नारा देने वाली प्रियंका अब मौका आने पर क्यों पीछे हट गईं? उम्मीद यही थी कि भारत जोड़ो यात्रा से हासिल आत्मविश्वास के बल पर राहुल फिर अमेठी से ही ताल ठोकेंगे, जबकि बेटी रायबरेली में मां की विरासत संभालेगी। अब तर्क दिया जा रहा है कि परिवार के सभी सदस्यों का चुनाव लडना सही नहीं होता। अगर सभी सदस्य सक्रिय राजनीति में आ सकते हैं, तब चुनाव भी लड़ लेने में क्या समस्या है? एक ओर यह तर्क दिया जा रहा है, तो दूसरी ओर प्रियंका के पति रॉबर्ट वाड्रा तक मीडिया इंटरव्यू के जरिये चुनाव लडने की अपनी इच्छा जताते रहे हैं।

सवाल यह भी है कि अगर राहुल दोनों सीटों से जीत गए तो उनके द्वारा खाली की जाने वाली सीट से क्या कोई पारिवारिक सदस्य चुनाव नहीं लड़ेगा? सीधा सवाल पूछें तो क्या दोनों जगह से जीत की स्थिति में राहुल द्वारा खाली की जाने वाली सीट से प्रियंका चुनाव नहीं लड़ेंगी? और क्या वह कभी चुनावी राजनीति में नहीं आना चाहतीं? बेशक कांग्रेस और राहुल गांधी को अपनी रणनीति तय करने का अधिकार है, लेकिन सार्वजनिक जीवन के फैसले पूरी तरह व्यक्तिगत नहीं हो सकते। उन पर टीका-टिप्पणी होगी ही क्योंकि उनका प्रभाव व्यापक होता है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा पूर्ण सहयोग के आश्वासन के बावजूद अमेठी-रायबरेली की बाबत इन फैसलों से कांग्रेस की रक्षात्मक रणनीति का नकारात्मक संदेश ही गया है। इससे पहले सूरत एवं इंदौर में 'जयचंद-प्रकरण' और दिल्ली में बगावत तथा पश्चिम बंगाल में अधीर रंजन चौधरी सरीखे वरिष्ठ नेता की 'टी.एम.सी. से बेहतर होगा भाजपा को वोट देना' जैसी अपील से भी कांग्रेस के राजनीतिक प्रबंधन पर गंभीर सवाल उठे हैं।

फिर भला विपक्ष का सबसे बड़ा दल होने के बावजूद कांग्रेस ने ऐसी रक्षात्मक रणनीति से नकारात्मक चुनावी राजनीतिक संदेश का जोखिम क्यों उठाया? चुनावी आकलन के दौरान यह आशंका जताई जाती रही है कि विपक्षी दलों के आधे-अधूरे बने 'इंडिया' गठबंधन की सबसे कमजोर कड़ी कांग्रेस ही साबित हो सकती है, क्योंकि लगभग 200 सीटों पर उसका भाजपा से सीधा मुकाबला होता है। क्षेत्रीय दल पहले भी भाजपा के विरुद्ध अपेक्षाकृत अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। ऐसे में अंतिम परिणाम बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि खुद कांग्रेस, भाजपा के विरुद्ध कैसा चुनावी प्रदर्शन करेगी। अभी तक के संकेत बहुत सकारात्मक तो नहीं हैं।

-राज कुमार सिंह

राहुल ने इस बार खुद को सही साबित किया

एक ऐसे व्यक्ति के लिए जिस पर अक्सर राजनीति में अपने थीम गीत, रणनीति और समय को गलत करने का आरोप लगाया जाता है, वह व्यक्ति राहुल गांधी ने इस बार रायबरेली से लोकसभा चुनाव लडने की मांग करके इसे बिल्कुल सही कर दिया है।

एक ऐसे व्यक्ति के लिए जिस पर अक्सर राजनीति में अपने थीम गीत, रणनीति और समय को गलत करने का आरोप लगाया जाता है, वह व्यक्ति राहुल गांधी ने इस बार रायबरेली से लोकसभा चुनाव लडने की मांग करके इसे बिल्कुल सही कर दिया है। इससे पहले, जब उनकी पार्टी 2022 में गुजरात में बुरी तरह हार रही थी, तब वह अपनी दक्षिण-उत्तर भारत जोड़ो यात्रा करने में व्यस्त थे। लेकिन, दूसरे पूर्व-पश्चिम चरण में, लोकसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा होने पर उनकी यात्रा समाप्त हो गई। उन्होंने जान लिया है कि लोगों से जुडने के लिए यात्रा बहुत अच्छी हो सकती है, लेकिन वास्तविक चुनाव में अपनी पार्टी की मदद के लिए उन्हें और भी बहुत कुछ करना होगा।

सामरिक विकल्प : जबकि मीडिया में अटकलें उनकी उम्मीदवारी को लेकर चारों ओर हैं और इस बात के इर्द-गिर्द घूमती है कि क्या वह अमेठी में स्मृति ईरानी के साथ दोबारा मुकाबला करना चाहेंगे या नहीं, जहां वह 2019 में हार गए थे। रायबरेली की पसंद 2 चीजों का संकेत देती है। यू.पी. में जीत या हार के राजनीतिक परिणामों के बारे में जागरूकता, और यह भी कि उन्हें लंबी अवधि के लिए पार्टी का आधार बढ़ाने की जरूरत है। बेशक, उन्हें अभी भी वायनाड में अपने मतदाताओं को कुछ समझाना होगा, जहां 26 अप्रैल को मतदान हुआ था और जहां वह जीत सकते हैं, लेकिन यह बाद के लिए एक समस्या है। वायनाड में अपना नामांकन दाखिल करते समय, उन्होंने इसे अपना घर कहा और लोगों को अपना परिवार। यदि वह रायबरेली जीतते हैं, जहां फिर से उनकी संभावनाएं अच्छी लगती हैं, तो उन्हें एक कठिन विकल्प चुनना होगा।

2019 की मोदी लहर के बीच यू.पी. में कांग्रेस ने जो सीट जीती, उसमें पार्टी को अपने निकटतम भाजपा प्रतिद्वंद्वी पर 1,67,000 से अधिक वोटों की बढ़त थी। राजनीतिक लागत-लाभ की गणना इस बार स्पष्ट रूप से अमेठी के मुकाबले रायबरेली के पक्ष में रही। स्पष्ट रूप से, राहुल को एहसास है कि उन्हें न केवल अपनी सीट जीतनी है, बल्कि यू.पी. में अपनी पार्टी की वृद्धि भी फिर से सुनिश्चित करनी है। भले ही पार्टी इस बार बहुत अधिक सीटें नहीं जीत पाई है, फिर भी उसे राज्य में बीच-बचाव की जरूरत है। कांग्रेस पार्टी ने 2009 के चुनावों में यू.पी. से 21 सीटें जीतीं, जिससे साबित हुआ कि यह अधिक आबादी वाला राज्य (अविभाजित आंध्र के अलावा) उसके लिए महत्वपूर्ण था। यू.पी. में 2014 कांग्रेस के विघटन की शुरूआत हुई।

अंत में, कुछ लड़ाई : कांग्रेस के लिए यह मानना मूर्खतापूर्ण है कि वह स्वयं रायबरेली में बढ़त पर है। भाजपा चुनावी लड़ाई को आसान बनाने के लिए कोई भी कदम उठाना नहीं छोड़ेगी। लेकिन, जीतें या हारें, राहुल ने अपनों को कड़ा संदेश दे दिया है। राहुल गांधी को 4 जून को अपनी पार्टी के लिए बेहद सकारात्मक परिणाम देने होंगे, जब नतीजे सामने आएंगे। लेकिन उन्होंने जो किया है उससे पता चलता है कि वह लंबे समय से इसमें हैं और एक रात में ही काम करने वाले नहीं हैं। भारत जोड़ो यात्रा से पहले और उसके बाद भी, उनकी लंबे समय तक देश से गायब रहने की प्रवृत्ति रही है। समय के साथ कुछ ऐसा देखा गया जो उनकी पार्टी के लोगों को पसंद नहीं आया। पार्टी में कुछ ऐसे लोग हैं जो उनसे अधिक प्रतिबद्धता की उम्मीद करते हैं।

अब पप्पू नहीं रहा : यात्रा ने उनके लिए दो चीजें कीं। एक, इससे उन्हें अपनी 'पप्पू छवि' पीछे छोडने का मौका मिला और दूसरा, इससे यह साबित हुआ कि आवश्यकता पडने पर दूरी तय करने के लिए उनके पास आवश्यक शारीरिक सहनशक्ति है। अपने लिए जनादेश मांगने के लिए उनकी यू.पी. में वापसी हुई है। परिवार का किला यही संदेश देता है कि आप जाति जनगणना कराने के उनके कट्टरपंथी एजैंडे, या उनकी पार्टी की पुनर्वितरण की प्रवृत्ति, या दाएं, बाएं और केंद्र के मतदाताओं को अप्राप्य मुफ्त सुविधाएं देने की प्रवृत्ति से असहमत हो सकते हैं। लेकिन अब आप अपनी पार्टी के लिए बेहतर परिणाम देने की उनकी उत्सुकता पर संदेह नहीं कर सकते। यदि कोई राजवंश समय-समय पर ऐसा नहीं कर सकता तो वह टिक नहीं सकता। उन्होंने अब इरादे का संकेत दे दिया है।-**आर. जगननाथन**

कैपिटल गेन टैक्स से जुड़ी जटिलताओं को दूर कर सकती है सरकार, टैक्स विशेषज्ञों की राय

परिवहन विशेष न्यूज

शेयर बाजार से प्राप्त लॉन्ग टर्म और शार्ट टर्म कैपिटल गेन पर समान टैक्स करने की खबर चल जाने से गत शुक्रवार को बाजार में 1000 अंक से अधिक की गिरावट हो गई। बाद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को एक्स पर कहना पड़ा कि यह बात पूरी तरह से अफवाह है। हालांकि टैक्स विशेषज्ञ कह रहे हैं कि कैपिटल गेन टैक्स को लेकर कई चीजें अस्पष्ट और जटिल हैं।

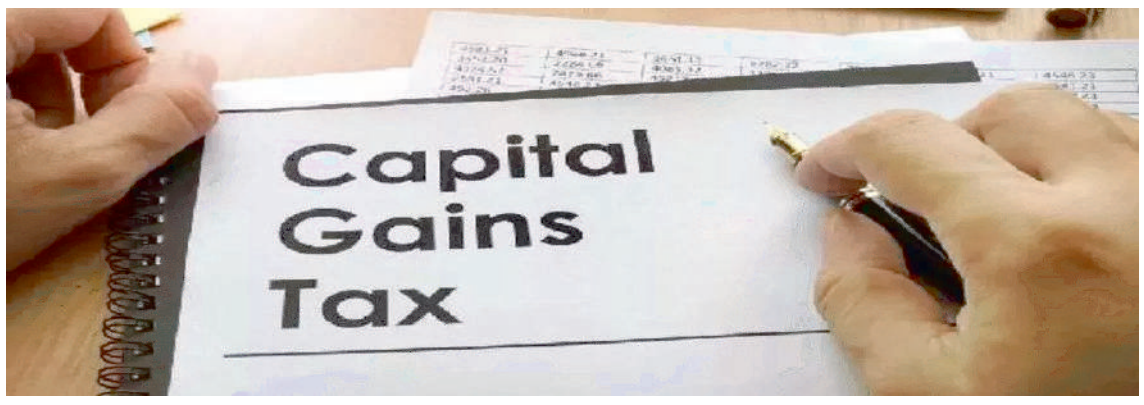

नई दिल्ली। शेयर बाजार से प्राप्त लॉन्ग टर्म और शार्ट टर्म कैपिटल गेन पर समान टैक्स करने की खबर चल जाने से गत शुक्रवार को बाजार में 1,000 अंक से अधिक की गिरावट हो गई। बाद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को एक्स पर यह कहना पड़ा कि यह बात पूरी तरह से अफवाह है और इस मामले में वित्त मंत्रालय से सच्चाई जानने की आवश्यकता है।

हालांकि टैक्स विशेषज्ञ यह भी कह रहे हैं कि कैपिटल गेन टैक्स को लेकर कई चीजें अस्पष्ट और जटिल है जिसे साफ और करदाताओं के लिए आसान बनाने की आवश्यकता है। उम्मीद की जा रही है नई सरकार के गठन के बाद इनमें बदलाव की संभावना है। टैक्स विशेषज्ञों का कहना है कि कैपिटल गेन टैक्स सिर्फ शेयर बाजार से होने वाली कमाई पर ही नहीं लगता है, म्युचुअल फंड, प्रोपर्टी की बिक्री, गैर सूचीबद्ध कंपनियों के शेयर के हस्तांतरण जैसी कई चीजों पर कैपिटल गेन टैक्स लगता है। इनसे जुड़े टैक्स में जटिलताएं हैं जिसे करदाता ठीक से समझ नहीं पाते हैं, इसलिए नई सरकार इसमें बदलाव कर सकती है। टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स (टीडीएस) को लेकर भी डिडक्टर को समस्याएं आ रही हैं और इनमें भी बदलाव हो सकता है। बड़ी संख्या में टीडीएस डिडक्टर को नोटिस आ रहे हैं।

किस तरह की होती है दिक्कत?

टैक्स कनेक्ट एडवाइजरी के पार्टनर विवेक जालान ने बताया कि अप्रत्यक्ष कर की दुरुस्त व्यवस्था के लिए जीएसटी प्रणाली लाई गई, वैसे ही प्रत्यक्ष कर एवं उससे जुड़े कैपिटल गेन टैक्स, टीडीएस से जुड़ी जटिलताओं को दूर करने के लिए नई सरकार प्रत्यक्ष कर की नई संहिता ला सकती है। उदाहरण के तौर पर उन्होंने बताया कि प्रोपर्टी बेचने पर भी कैपिटल गेन टैक्स लगता है। इसकी गणना को लेकर अस्पष्टता है।

मान लीजिए 31 मार्च को प्रॉपर्टी बेचने का राजीनामा हुआ और कुछ एडवांस लिया गया। प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री अप्रैल या मई में हुई तो कैपिटल गेन का वित्त वर्ष कौन सा होगा, इसे लेकर स्पष्ट व्यवस्था नहीं क्योंकि राजीनामा व रजिस्ट्री का वित्त वर्ष बदल गया। म्युचुअल फंड में निवेश पर होने वाली कमाई पर लगने वाले टैक्स के बारे में भी छोटे निवेशकों को साफ जानकारी नहीं है।

कैपिटल गेन टैक्स में सुधार की जरूरत

टैक्स विशेषज्ञ एवं चार्टर्ड एकाउंटेंट (सीए) असीम चावला कहते हैं कि कैपिटल गेन टैक्स में सुचारू सुधार की जरूरत है और इसे करदाताओं के अनुकूल बनाया जाना चाहिए। गैर सूचीबद्ध कंपनियों के शेयर हस्तांतरण के मूल्यांकन व उस पर टैक्स निर्धारित जैसी कई चीजें अभी जटिल हैं। शेयर बाजार में शेयर खरीदने के 12 माह से कम समय में शेयर की बिक्री कर मुनाफा कमाते हैं तो उसे शार्ट टर्म कैपिटल गेन कहा जाता है और मुनाफे पर 15 प्रतिशत टैक्स सरकार लेती है। एक साल के बाद बिक्री पर होने वाले मुनाफे को लॉन्ग टर्म मुनाफा कहा जाता है जिस पर 10 प्रतिशत का टैक्स लगता है।

दो वर्षों में होम लोन का बकाया 10 लाख करोड़ बढ़ा, क्या कोरोना है वजह?

परिवहन विशेष न्यूज

पिछले दो वित्त वर्ष में होम लोन का बकाया लगभग 10 लाख करोड़ रुपये बढ़ा है। यह इस साल मार्च में रिकॉर्ड 27 .23 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। बैंकिंग और रियल एस्टेट क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने बताया कि कोविड के बाद आवासीय संपत्ति बाजार में दबी मांग सामने आने के चलते आवास ऋण बकाया में वृद्धि हुई क्योंकि महामारी ने घर के महत्व पर एक बार फिर से जोर दिया।

नई दिल्ली। पिछले दो वित्त वर्ष में होम लोन का बकाया लगभग 10 लाख करोड़ रुपये बढ़कर इस साल मार्च में रिकार्ड 27.23 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। बैंकिंग और रियल एस्टेट क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने बताया कि कोविड महामारी के बाद आवासीय संपत्ति बाजार में दबी मांग सामने आने के चलते आवास ऋण बकाया में वृद्धि हुई। आरबीआई के 'बैंक ऋण के क्षेत्रवार वितरण' आंकड़ों के मुताबिक, मार्च 2023 में होम लोन का बकाया 19,88,521 करोड़ रुपये और मार्च, 2022 में 17,26,697 करोड़ रुपये था। मार्च, 2024 में वाणिज्यिक अचल संपत्ति का बकाया कर्ज 4,48,145 करोड़ रुपये था। मार्च 2022 में यह 2,97,231 करोड़ रुपये था। आंकड़ों से यह भी पता चला कि वाणिज्यिक अचल संपत्ति के लिए बकाया ऋण मार्च 2024 में 4,48,145 करोड़ रुपये था। यह मार्च, 2022 में 2,97,231 करोड़ रुपये था।

घरों की बिक्री और दाम बढ़े

विभिन्न संपत्ति सलाहकारों की रिपोर्ट के अनुसार पिछले दो वित्त वर्षों में घरों की बिक्री और कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र सीमेंट और स्टील सहित 200 से अधिक उद्योगों का समर्थन करता है और कम बिक्री और स्थिर कीमतों के कारण पिछले एक दशक से अधिक समय तक सुस्त रहने के बाद 2022 से इसमें मजबूत मांगी देखी जा रही है। इस क्षेत्र को नए रियल्टी कानून रेरा, जीएसटी और नोटबंदी के कारण पैदा हुए व्यवधानों के अलावा क्षेत्र में विश्वास की कमी का सामना करना पड़ा, क्योंकि कई डेवलपर्स ने ग्राहकों से पैसे लेने के बाद उन्हें घर नहीं दिए। हालांकि, इस क्षेत्र ने कोरोना के बाद वापसी की, क्योंकि महामारी ने घर के स्वामित्व के महत्व पर एक बार फिर से जोर दिया।

क्या है एक्सपर्ट की राय

बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस का कहना है कि आवास ऋण में उच्च वृद्धि आवासीय क्षेत्र के सभी खंडों में तेजी के चलते है। विशेष रूप से किफायती आवास खंड में सरकार के प्रयासों के कारण तेजी देखी गई है। आवास ऋण की वृद्धि मजबूत बनी रहेगी, लेकिन उच्च आधार के कारण यह घटकर 15-20 प्रतिशत रह सकती है।

रियल एस्टेट विश्लेषण कंपनी प्रॉपइक्विटी के एमडी और सीईओ समीर जसूजा ने कहा, 'बकाया आवास ऋणों में वृद्धि मुख्य रूप से पिछले दो वित्त वर्षों में पेश की गईं और बेची गई संपत्तियों की मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि के कारण है। वित्त वर्ष 2020-21 से पहली श्रेणी के शहरों में 50-100 प्रतिशत के बीच मूल्य वृद्धि देखी गई है। इसके चलते प्रति संपत्ति औसत ऋण आकार में वृद्धि हुई। आवास ऋण खंड में तेजी बनी रहेगी, क्योंकि आवासीय रियल एस्टेट की मांग मजबूत है।'यह भी पढ़ें: Stock Market vs Gold: शेयर बाजार या सोना, किसमें निवेश करने से मालामाल हो सकते हैं आप?

मेडिकल सेक्टर की है इंडिजेन

मेडिकल सेक्टर की टेक्नोलॉजी कंपनी इंडिजेन का आईपीओ (Indegene IPO) हफ्ते के पहले दिन ही खुलेगा और इसे तीन दिन तक सब्सक्राइब किया जा सकेगा।

पेट्रोल-डीजल के नए दाम हुए जारी, चेक करें आपके शहर में क्या है फ्यूल रेट

देश की सरकारी तेल कंपनियों ने रविवार 28 अप्रैल 2024 के लिए फ्यूल के रेट्स रिवाइज कर दिए हैं। आज भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर कोई बदलाव नहीं किया गया है। बता दें पेट्रोल-डीजल की कीमतें रोजाना अपडेट की जाती हैं। फ्यूल की कीमतें राज्य सरकार द्वारा लगाए जाने वाला वैट की वजह से अलग-अलग होती हैं।

नई दिल्ली। रविवार, 28 अप्रैल 2024 के लिए देश की सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के रेट्स अपडेट कर दिए हैं।

लेटेस्ट अपडेट के मुताबिक, देश भर के अलग-अलग शहरों में आज भी फ्यूल की कीमतों को लेकर कोई बदलाव नहीं हुआ है। आपके शहर में पेट्रोल- डीजल को पुरानी कीमत पर खरीदा जा सकेगा।

बता दें, देश के घरेलू बाजारों में पेट्रोल- डीजल की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत पर आधारित होती हैं। यही वजह है कि सरकारी तेल कंपनियां रोजाना सुबह 6 बजे फ्यूल की कीमतों को रिवाइज करती है। इंडियन ऑयल की ऑफिशियल वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक, देश के अलग-अलग शहरों में रेट्स इस प्रकार हैं-

चार महानगरों में पेट्रोल- डीजल के दाम

दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर है।

मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर है।

कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर है।

चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है।

अन्य शहरों में पेट्रोल- डीजल के दाम

नोएडा:पेट्रोल 94.83 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर

गुरुग्राम:पेट्रोल 95.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर

बेंगलुरु:पेट्रोल 99.84 रुपये प्रति लीटर और डीजल 85.93 रुपये प्रति लीटर

चंडीगढ़:पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर

FSSAI ने मसालों में 10 गुना ज्यादा कीटनाशक को मंजूरी वाली खबरों को बताया फर्जी, यह है पूरा मामला

फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया (FSSAI) ने जड़ी-बूटियों और मसालों में तय मानक से 10 गुना अधिक कीटनाशक मिलाने की इजाजत देने से जुड़ी सभी मीडिया रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया है। फूड रेगुलेटर ने एक प्रेस रिलीज जारी कर बताया कि इस तरह की सभी खबरें फर्जी और दुर्भावनापूर्ण हैं। आइए जानते हैं कि पूरा मामला क्या है और क्यों फूड रेगुलेटर को स्पष्टीकरण देना पड़ा है।

नई दिल्ली। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया (FSSAI) ने जड़ी-बूटियों और मसालों में तय मानक से 10 गुना अधिक कीटनाशक मिलाने की इजाजत देने से जुड़ी सभी मीडिया रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया है। फूड रेगुलेटर ने एक प्रेस रिलीज जारी कर बताया कि इस तरह की सभी खबरें फर्जी और दुर्भावनापूर्ण हैं।

FSSAI ने कहा, 'भारत में मैक्सिमम रेसेड्यू लेवल (MRL) यानी कीटनाशक मिलाने की तय सीमा दुनियाभर में सबसे सख्त मानकों में से एक है। किस खाद्य सामाग्री में कितना कीटनाशक का MRL होगा, यह उनके जोखिम के आधार पर अलग-अलग तय किए जाते हैं।'

कुछ कीटनाशकों के लिए बढ़ी थी लिमिट

फूड रेगुलेटर FSSAI ने यह स्वीकार किया कि कुछ कीटनाशक के लिए उसने लिमिट बढ़ाई थी, जो भारत में केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड और रजिस्ट्रेशन कमेटी (CIB & RC) से रजिस्टर्ड नहीं हैं। उनके लिए यह लिमिट 0.01 mg/kg से 10 गुना बढ़ाकर 0.1 mg/kg की गई थी।

FSSAI ने स्पष्ट किया कि यह बदलाव साइंटिस्ट पैनल की सिफारिश पर किया था। भारत में CIB & RC कीटनाशकों की मैन्युफैक्चरिंग, इंपोर्ट-एक्सपोर्ट, ट्रांसपोर्ट और स्टोरेज जैसी चीजों की निगरानी करती है। FSSAI ने कहा, 'MRL प्रकृति में गतिशील हैं और इनमें वैज्ञानिक डेटा के आधार पर नियमित रूप से बदलाव होता रहता है। यह चीज ग्लोबल स्टैंडर्ड के हिसाब से होती है।'

FSSAI भी कर रहा मसालों की जांच

पिछले महीने सिंगापुर और हांगकांग ने MDH और एवरेस्ट के कुछ मसालों पर बैन लगा दिया और उन्हें वापस लेने का भी आदेश दिया। उनका आरोप था कि इन मसालों में हानिकारक एथिलीन ऑक्साइड है, जो कैंसर की वजह बन सकता है। अमेरिका समेत कम से कम पांच देश भारतीय मसालों की जांच कर रहे हैं।

FSSAI भी मसालों कंपनियों की जांच कर रहा है। उसने मसाला पाउडर बनाने वाली कंपनियों के कारखानों का निरीक्षण करने के साथ सैंपल जुटाने और टेस्टिंग करने का निर्देश दिया है। फूड रेगुलेटर यह भी जांच करेगा कि क्या मसाला कंपनियों के प्रोडक्ट्स में एथिलीन ऑक्साइड मौजूद है।

इस हफ्ते मार्केट में आने वाले हैं तीन आईपीओ, मिल सकता है कमाई का शानदार मौका

साल 2024 की शुरुआत से ही भर-भर के आईपीओ आ रहे हैं। कुछ आईपीओ ने निवेशकों मालामाल किया तो कुछ में उन्हें घाटा भी उठाना पड़ा। 6 मई से शुरू होने वाले हफ्ते में तीन आईपीओ आ रहे हैं। इस हफ्ते आधार हाउसिंग फाइनेंस इंडिजेन और टीबीओ टेक कुल मिलाकर 6400 करोड़ रुपये जुटाने के लिए आईपीओ लाने वाली हैं। आइए इनके आईपीओ की पूरी डिटेल जानते हैं।

नई दिल्ली। साल 2024 की शुरुआत से ही भर-भर के आईपीओ आ रहे हैं। कुछ आईपीओ ने निवेशकों मालामाल किया, तो कुछ में उन्हें घाटा भी उठाना पड़ा। 6 मई से शुरू होने वाले हफ्ते में तीन आईपीओ आ रहे हैं। इस हफ्ते आधार हाउसिंग फाइनेंस, इंडिजेन और टीबीओ टेक कुल मिलाकर 6,400 करोड़ रुपये जुटाने के लिए आईपीओ लाने वाली हैं। आइए इनके आईपीओ की पूरी डिटेल जानते हैं।

आधार हाउसिंग फाइनेंस IPO

आधार हाउसिंग फाइनेंस का आईपीओ (Aadhar Housing Finance IPO) को निवेशक 8 मई से 10 तक सब्सक्राइब कर सकेंगे। कंपनी का इरादा आईपीओ से 3,000 करोड़ रुपये जुटाना है। प्राइस बैंड 300 रुपये से 315 रुपये है। आधार हाउसिंग फाइनेंस में दुनिया की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी ब्लैकस्टोन (Blackstone) ने निवेश कर रखा है।

आधार हाउसिंग फाइनेंस का आईपीओ (Aadhar Housing Finance IPO) को निवेशक 8 मई से 10 तक सब्सक्राइब कर सकेंगे। कंपनी का इरादा आईपीओ से 3,000 करोड़ रुपये जुटाना है। प्राइस बैंड 300 रुपये से 315 रुपये है। आधार हाउसिंग फाइनेंस में दुनिया की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी ब्लैकस्टोन (Blackstone) ने निवेश कर रखा है।

मेडिकल सेक्टर की है इंडिजेन

मेडिकल सेक्टर की टेक्नोलॉजी कंपनी इंडिजेन का आईपीओ (Indegene IPO) हफ्ते के पहले दिन ही खुलेगा और इसे तीन दिन तक सब्सक्राइब किया जा सकेगा। इंडिजेन आईपीओ से 1,842 करोड़ रुपये जुटाने वाली है। कंपनी ने प्राइस बैंड 430-452 रुपये प्रति शेयर तय किया है। 1998 में बनी Indegene लिमिटेड ड्रग डेवलपमेंट, क्लिनिकल ट्रायल्स और रेगुलेटरी सबमिशन्स जैसी चीजों में मदद करती है।

TBO टेक का आईपीओ

ट्रैवल डिस्ट्रीब्यूशन प्लेटफॉर्म टीबीओ टेक (TBO Tek) के आईपीओ को 8 से 10 मई तक सब्सक्राइब किया जा सकेगा। प्राइस बैंड 875 रुपये से 920 रुपये प्रति शेयर है। लॉट 16 शेयरों का है, मतलब कि रिटेल इन्वेस्टर को कम से कम 14,720 रुपये का निवेश करना होगा। कंपनी होटल, एयरलाइन, कार रेंटल्स, ट्रांसफर, क्रूज, इंश्योरेंस और रेल कंपनियों को सेवाएं देती है।

इस हफ्ते कैसा रहेगा शेयर मार्केट का मिजाज, किन फैक्टर पर रहेगी निवेशकों की नजर?

पिछले हफ्ते भारतीय शेयर बाजार का प्रदर्शन काफी अच्छा था। लेकिन आखिरी कारोबारी सत्र के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी में भारी गिरावट आई। आइए जानते हैं कि इस हफ्ते बाजार की चाल कैसी रहेगी और इस पर किन चीजों का असर पड़ सकता है। साथ ही इस हफ्ते किन कंपनियों के नतीजे आने वाले हैं और किन महत्वपूर्ण डेटा से बाजार की चाल प्रभावित होगी।

नई दिल्ली। पिछले हफ्ते भारतीय शेयर बाजार का प्रदर्शन काफी अच्छा था। लेकिन, आखिरी कारोबारी सत्र के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी में भारी गिरावट आई। आइए जानते हैं कि इस हफ्ते बाजार की चाल कैसी रहेगी और इस पर किन चीजों का असर पड़ सकता है।

किन चीजों पर रहेगी निवेशकों की नजर

पिछले कुछ समय से कंपनियों के तिमाही नतीजे आ रहे हैं। इस हफ्ते भी यह सिलसिला जारी रहेगा।

वैश्विक रुझानों पर भी बाजार की नजर रहेगी। खासकर, अमेरिका से आने वाले आर्थिक डेटा पर।

विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों से भी शेयर मार्केट में उतार-चढ़ाव आ सकता है।

रुपये और डॉलर के रुख के साथ कच्चे तेल के दाम पर भी निवेशकों की नजर रहेगी।

किन कंपनियों के आने वाले हैं नतीजे?

स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लि. के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौड़ ने बताया, 'इस हफ्ते कई कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजों आएंगे और उसके हिसाब से बाजार में उतार-चढ़ाव दिखेगा। हीरो मोटोकॉर्प, लार्सन एंड टुब्रो, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (BPCL), SBI, आयशर मोटर्स और टाटा मोटर्स जैसी कुछ बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे आने हैं।'

ये महत्वपूर्ण डेटा भी आने वाले हैं

सर्विसेज सेक्टर के PMI डेटा का भी स्टॉक मार्केट पर असर दिख सकता है। मार्च के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े शुक्रवार को जारी होंगे। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के रिटेल रिसर्च के हेड सिद्धार्थ खेमका ने कहा, 'सोमवार को बाजार अमेरिका के रोजगार के डेटा के साथ डीमार्ट और कोटक बैंक जैसी कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजों पर प्रतिक्रिया देगा।'

चुनाव पर भी रहेगी निवेशकों की नजर

वहीं, जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के रिसर्च हेड विनोद नायर का कहना है कि कंपनियों का तिमाही नतीजों के आधार पर ही निवेशक अपने पोर्टफोलियो की रूपरेखा बनाएंगे। इससे जाहिर तौर पर मार्केट में उतार-चढ़ाव दिखेगा। उन्होंने कहा कि ऊंचे मूल्यांकन और चुनावी गतिविधियों के चलते बाजार में कुछ गिरावट आ सकती है।

पिछले हफ्ते BSE का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 0.20 फीसदी यानी 147.99 अंक बढ़ा। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में 0.24 यानी 55.9 अंकों का उछाल दिखा।

सड़े चावल, जामुन और लकड़ी के बुरादे से बनाए जा रहे थे मसाले, पुलिस ने दो अवैध फैक्ट्रियों पर मारा छापा

दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की साइबर सेल ने करावल नगर में नकली मसाले बनाने की दो निर्माण इकाइयों का भंडाफोड़ किया है। निर्माण इकाइयों का नजारा देख टीम की आंखें भी फटी रह गई। यहां आरोपितों द्वारा सडे हुए चावल सड़े जामुन लकड़ी के बुरादे साइट्रिक एसिड और चोकर आदि मिलाकर मसाले बनाए जा रहे थे।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की साइबर सेल ने करावल नगर में नकली मसाले बनाने की दो निर्माण इकाइयों का भंडाफोड़ किया है। निर्माण इकाइयों का नजारा देख टीम की आंखें भी फटी रह गई। यहां आरोपितों द्वारा सडे.हुए चावल, सड़े जामुन, लकड़ी के बुरादे, साइट्रिक एसिड और चोकर आदि मिलाकर मसाले बनाए जा रहे थे।

अपराध शाखा ने इन नकली मसालों की दिल्ली-एनसीआर में आपूर्ति करने वाले दो निर्माताओं और एक आपूर्तिकर्ता को गिरफ्तार करते हुए दो निर्माण इकायों, मशीनें, टेंपो और अन्य उपकरण जब्त किए हैं। मौके से कुल 15 टन मिलावटी मसाले और कच्चा माल बरामद किया गया है।

2021 से बना रहे थे मसाले

मसालों की सप्लाई खरी बावली और सदर बाजार के साथ ही दिल्ली-एनसीआर के अन्य बाजारों में बड़ी मात्रा में की जाती थी, जिसकी जांच चल रही है। दोनों आरोपित 2021 से मसालों की निर्माण इकाई चला रहे थे।

मिलावटी मसाले बनाने वालों पर रखी जा रही थी नजर

अपराध शाखा, साइबर सेल डीसीपी राकेश पावरिया ने बताया कि साइबर सेल, अपराध शाखा की टीम को मिलावटी मसालों के निर्माता और आपूर्तिकर्ताओं पर निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है। टीम को सूचना मिली थी कि उत्तर पूर्वी दिल्ली में कुछ निर्माता विभिन्न ब्रांडों के नाम पर मिलावटी मसालों के निर्माण और दिल्ली-एनसीआर में उसकी बिक्री में शामिल हैं।

एक मई को मारा गया था छापा

एक मई को करावल नगर में दो निर्माण इकाइयों के चलने की जानकारी मिली। सूचना पर छापा मारा गया। यहां आरोपित दिलीप सिंह उर्फ बंटी और खुर्शीद मलिक मौजूद मिले। दिलीप यह निर्माण इकाई चला रहा था और बड़ी मात्रा में एसिड, तेल आदि का उपयोग कर मिलावटी हल्दी बना रहा था। पूछताछ में दिलीप सिंह ने बताया कि निर्माण इकाई का मालिक है। खुर्शीद मलिक ने बताया कि वह इन मसालों का आपूर्तिकर्ता है।

मसाले में मिलाई जा रही थी ये चीजें

इकाई का निरीक्षण करने पर मिलावटी मसाले यानी हल्दी पाउडर, गरम मसाला पाउडर, अमचूर पाउडर और अन्य कच्चे माल यानी सड़े हुए चावल, सड़े हुए नारियल, नीलगिरी के पत्ते, सड़े हुए जामुन, लकड़ी की धूल, साइट्रिक एसिड, चोकर, सूखी मिर्च के सिर वहां रंग रसायन आदि पाया गया। मौके पर खाद्य एवं सुरक्षा विभाग की टीम को बुलाया गया और टीम ने यहां पहुंच मिलावटी मसालों के नमूने लिए।

आगे की पूछताछ में पता चला कि एक अन्य निर्माण इकाई काली खाता रोड, करावल नगर में भी चल रही है। दोनों की निशानदेही पर वहां छापा मारा गया और सरफराज नाम के व्यक्ति को मिलावटी मसाले बनाते हुए पकडा गया।

दोनो निर्माण इकाई से कुल 7,105 किलोग्राम मिलावटी मसाले मिले

हल्दी पाउडर 3300 किलोग्राम
गरम मसाला पाउडर 115 किलोग्राम
अमचूर पाउडर 1450 किलोग्राम
धनिया पाउडर 2240 किलोग्राम
7,215 किलोग्राम कच्चा माल बरामद
सड़े हुए चावल 1050 किलोग्राम

इकाई का निरीक्षण करने पर मिलावटी मसाले यानी हल्दी पाउडर, गरम मसाला पाउडर, अमचूर पाउडर और अन्य कच्चे माल यानी सड़े हुए चावल, सड़े हुए नारियल, नीलगिरी के पत्ते, सड़े हुए जामुन, लकड़ी की धूल, साइट्रिक एसिड, चोकर, सूखी मिर्च के सिर वहां रंग रसायन आदि पाया गया। मौके पर खाद्य एवं सुरक्षा विभाग की टीम को बुलाया गया और टीम ने यहां पहुंच मिलावटी मसालों के नमूने लिए।

सड़ा हुआ बाजरा 200 किलोग्राम
सड़े हुए नारियल 6 किलोग्राम
धनिया के बीज 720 किलोग्राम
कच्ची बहुत कम गुणवत्ता वाली हल्दी 550 किलोग्राम
यूकेलिप्टस के पत्ते 70 किलोग्राम
सड़े हुए जामुन 1450 किलोग्राम
लकडी का बुरादा 400 किलोग्राम
साइट्रिक एसिड 24 किलोग्राम
चोकर 2150 किलोग्राम
सूखी लाल मिर्च 440 किलोग्राम
सूखी लाल मिर्च के सिर 150 किलोग्राम
रंगीन रसायन 5 किलोग्राम
दो बड़े आकार की चक्की
दो वजन मशीनें
दो स्ट्रेचिंग मशीनें, अन्य उपकरण आदि।

एक टेम्पो

आरोपी व्यक्तियों की प्रोफाइल

करावल नगर निवासी दिलीप सिंह उर्फ बंटी का जन्म मध्य प्रदेश में हुआ था। अपने परिवार के साथ वर्ष 2004 में वह दिल्ली आ गया और जनरल स्टोर पर काम करने लगा। 2021 में अपने दोस्त के साथ मसाले बनाने की इकाई लगाई और ज्यादा पैसा कमाने के लिए बेकार सामग्री का उपयोग कर मिलावटी मसाले बना कर सदर बाजार, खारी बावली में बेचने का विचार आया। साप्ताहिक बाजर के विक्रेताओं के लिए नवम्बर 2023 में उसने अपनी अलग यूनिट चलाना शुर कर दिया। मुस्तफाबाद निवासी सरफराज ने 2021 में करावल नगर में मसालों की प्रसंस्करण इकाई स्थापित की, लेकिन उससे होने वाली कमई से वह संतुष्ट नहीं था। अंत में, उसने बेकार सामग्री का उपयोग करके मिलावटी मसाले बनाने का फैसला किया और मुस्तफाबाद, खजूरी खास और आसपास के क्षेत्रों के अन्य स्थानीय बाजारों में आपूर्ति की। लोनी, गाजियाबाद निवासी खुर्शीद मलिक 2013 में दिल्ली आया और कपडे की बिक्री-खरीद का काम शुरू किया। वर्ष 2019 में, उसने टेंपो खरीदा और प्रसंस्करण इकाइयों से खरीदकर दिल्ली और लोनी के स्थानीय बाजारों में मिलावटी मसालों की आपूर्ति शुरू कर दी। पैसे कमाने के लिए वह असली के बदले मिलावटी मसाले खरीद रहा था।

अरुण रेड्डी के लैपटॉप व मोबाइल का डेटा रिकवर करेगी पुलिस, डिवाइस की हो रही फॉरेंसिक जांच

जांच में सामने आया कि कांग्रेस की सोशल मीडिया टीम के राष्ट्रीय समन्वयक अरुण बी रेड्डी ने गिरफ्तार होने से पहले अपने लैपटॉप और मोबाइल का डाटा डिलीट कर दिया था। स्पेशल सेल उसके मोबाइल और लैपटॉप का डाटा रिकवर करने का प्रयास कर रही है ताकि पता चल सके कि फेक वीडियो उसने खुद से बनाया था या उसके किसी अन्य साथी ने बनाया और उसे भेजा।

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के फेक वीडियो मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा गिरफ्तार किए गए कांग्रेस नेता अरुण बी रेड्डी तीन दिन के लिए पुलिस रिमांड पर हैं। पुलिस पूछताछ में जानने की कोशिश कर रही है कि वीडियो किसने और कब बनाया था। फेक वीडियो एक्स पर पोस्ट करने के पीछे मकसद क्या था? रेड्डी से बरामद मोबाइल और लैपटॉप की जांच की जा रही है।

जांच में सामने आया कि कांग्रेस की सोशल मीडिया टीम के राष्ट्रीय समन्वयक अरुण बी रेड्डी ने गिरफ्तार होने से पहले अपने लैपटॉप और मोबाइल का डाटा डिलीट कर दिया था। स्पेशल सेल उसके मोबाइल और लैपटॉप का डाटा रिकवर करने का प्रयास कर रही है, ताकि पता चल सके कि फेक वीडियो उसने खुद से बनाया था या उसके किसी अन्य साथी ने बनाया और उसे भेजा। आरोपित के फोन और लैपटॉप को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है।

रेड्डी की कॉल डिटेल और लोकेशन भी निकाली जा रही है, जिससे पता लगाया जाएगा कि फेक वीडियो को पोस्ट करने से पहले आरोपित किस-किस के संपर्क में था।

क्या है पूरा मामला?

तीसरे चरण के लोकसभा चुनाव से पहले एक फेक वीडियो के माध्यम से भाजपा को एससी, एसटी और ओबीसी आरक्षण का विरोधी साबित करने की कोशिश की गई। फेक वीडियो में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को आरक्षण को असंवैधानिक बताते हुए उसे खत्म करने का एलान करते दिखाया गया था, जबकि असली वीडियो में शाह एसटी, एससी और ओबीसी आरक्षण को बनाए रखने की बात कह रहे हैं। सोशल मीडिया पर गृह मंत्री का फेक वीडियो प्रसारित होने का मामला संज्ञान में आने के बाद गृह मंत्रालय ने 28 अप्रैल को आईएफएसओ को शिकायत दी थी, जिसके बाद पुलिस तुरंत जांच में जुट गई थी।

अंतरिक्ष क्षेत्र में एफडीआइ को आसान बनाने से बढ़ेंगी नौकरियां, निजी क्षेत्र के लिए खुलेंगे कारोबार के नए अवसर

डेलाइट इंडिया (Daylight India) के पार्टनर श्रीराम अनंतसायनम का कहना है कि हाल में एफडीआइ की सीमा वृद्धि भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसने निजी क्षेत्र के लिए कारोबार के नए अवसर खोले हैं। आने वाले समय में इस क्षेत्र में निजी कंपनियों की संख्या दहाई अंक में पहुंच सकती है।

नईदिल्ली। अंतरिक्ष क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) से जुड़े नियमों को आसान बनाने से विदेशी निवेशकों के साथ स्टार्टअप्स आकर्षित होंगे और टेक्नोलाजी से जुड़ी नौकरियों की मांग बढ़ेगी। विशेषज्ञों ने यह बात कही है। सरकार ने सेटेलाइट जैसे उपकरण बनाने के लिए 100 प्रतिशत विदेशी निवेश की मंजूरी दी है।

डेलाइट इंडिया के पार्टनर श्रीराम अनंतसायनम का कहना है कि हाल में एफडीआइ की सीमा वृद्धि भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसने निजी क्षेत्र के लिए कारोबार के नए अवसर खोले हैं। आने वाले समय में इस क्षेत्र में निजी कंपनियों की संख्या दहाई अंक में पहुंच सकती है।

अत्याधुनिक टेक्नोलाजी विकसित करने के लिए करेगी मजबूर

इंड्सला के पार्टनर रेवती मुरलीधरन का कहना है कि नई कंपनियों और रणनीतिक निवेशकों के प्रवेश से बढ़ने वाली प्रतिस्पर्धा को देखते हुए घरेलू कंपनियों को भारतीय अंतरिक्ष बाजार में अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखने के लिए अत्याधुनिक टेक्नोलाजी विकसित करने के लिए मजबूर करेगी।

मानवशरीर में सप्तचक्रों का प्रभाव.

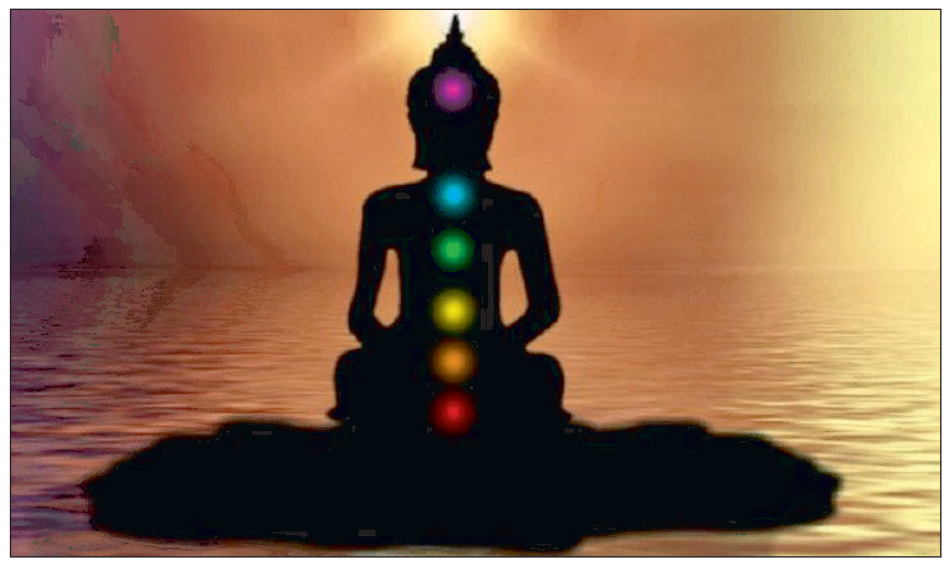

1. मूलाधारचक्रः- यह शरीर का पहला चक्र है। गुदा और लिंग के बीच 4 पंखुरियों वाला यह 'आधार चक्र' है। 99.9% लोगों की चेतना इसी चक्र पर अटकी रहती है और वे इसी चक्र में रहकर मर जाते हैं। जिनके जीवन में भोग, संभोग और निद्रा की प्रधानता है उनकी ऊर्जा इसी चक्र के आसपास एकत्रित रहती है। मंत्र : लं चक्र जगाने की विधि :- मनुष्य तब तक पशुवत है, जब तक कि वह इस चक्र में जी रहा है इसीलिए भोग, निद्रा और संभोग पर संयम रखते हुए इस चक्र पर लगातार ध्यान लगाने से यह चक्र जाग्रत होने लगता है। इसको जाग्रत करने का दूसरा नियम है- यम और नियम का पालन करते हुए साक्षी भाव में रहना। प्रभाव : इस चक्र के जाग्रत होने पर व्यक्ति के भीतर वीरता, निर्भीकता और आनंद का भाव जाग्रत हो जाता है। सिद्धियां प्राप्त करने के लिए वीरता, निर्भीकता और जागरूकता का होना जरूरी है।

2. स्वाधिष्ठानचक्रः- यह वह चक्र है, जो लिंग मूल से 4 अंगुल ऊपर स्थित है जिसकी 6 पंखुरियां हैं। अगर आपकी ऊर्जा इस चक्र पर ही एकत्रित है तो आपके जीवन में आमोद-प्रमोद, मनोरंजन, घूमना-फिरना और मौज-मस्ती करने की प्रधानता रहेगी। यह सब करते हुए ही आपका जीवन कब व्यतीत हो जाएगा आपको पता भी नहीं चलेगा और हाथ फिर भी खाली रह जाएंगे। मंत्र : वं कैसे जाग्रत करें :- जीवन में मनोरंजन जरूरी है, लेकिन मनोरंजन की आदत नहीं। मनोरंजन भी व्यक्ति की चेतना को बेहोशी में धकेलता है। फिल्म सच्ची नहीं होती लेकिन उससे जुड़कर आप जो अनुभव करते हैं वह आपके बेहोश जीवन जीने का प्रमाण है। नाटक और मनोरंजन सच नहीं होते। प्रभाव : इसके जाग्रत होने पर क्रूरता, गर्व, आलस्य, प्रमाद, अवज्ञा, अविश्वास आदि दुर्गणों का नाश होता है। सिद्धियां प्राप्त करने के लिए जरूरी है कि उक्त सारे दुर्गुण समाप्त हों तभी सिद्धियां आपका द्वार खटखटाएंगी।

3. मणिपुरचक्रः- नाभि के मूल में स्थित यह शरीर के अंतर्गत मणिपुर नामक तीसरा चक्र है, जो 10 कमल पंखुरियों से युक्त है। जिस व्यक्ति की चेतना या ऊर्जा यहां एकत्रित है उसे काम करने की धुन-सी रहती है। ऐसे लोगों को कर्मयोगी कहते हैं। ये लोग दुनिया का हर कार्य करने के लिए तैयार रहते हैं। मंत्र : रं कैसे जाग्रत करें :- आपके कार्य को सकारात्मक आयाम देने के लिए इस चक्र पर ध्यान लगाएंगे। पेट से श्वास लें। प्रभाव : इसके सक्रिय होने से तृष्णा, ईर्ष्या, चुगली, लज्जा, भय, घृणा, मोह आदि कषाय-कल्मष दूर हो जाते हैं। यह चक्र मूल रूप से आत्मशक्ति प्रदान करता है। सिद्धियां प्राप्त करने के लिए आत्मवान होना जरूरी है। आत्मवान होने के लिए यह अनुभव करना जरूरी है कि आप शरीर नहीं, आत्मा हैं।आत्मशक्ति, आत्मबल और आत्मसम्मान के साथ जीवन का कोई भी लक्ष्य दुर्लभ नहीं।

4. अनाहतचक्र : हृदयस्थल में स्थित द्वादश दल कमल की पंखुड़ियों से युक्त द्वादश स्वर्णाक्षरों से सुशोभित चक्र ही अनाहत चक्र है। अगर आपकी ऊर्जा अनाहत में सक्रिय है तो आप एक सृजनशील व्यक्ति होंगे। हर क्षण आप कुछ न कुछ नया रचने की सोचते हैं। आप चित्रकार, कवि, कहानीकार, इंजीनियर आदि हो सकते हैं। मंत्र : यं कैसे जाग्रत करें :- हृदय पर संयम करने और ध्यान लगाने से यह चक्र जाग्रत होने लगता है। खासकर रात्रि को सोने से पूर्व इस चक्र पर ध्यान लगाने से यह अभ्यास से जाग्रत होने लगता है और सुषुम्ना इस चक्र को भेदकर ऊपर गमन करने लगती है। प्रभाव : इसके सक्रिय होने पर लिप्सा, कपट, हिंसा, कुतर्क, चिंता, मोह, दंभ, अविवेक और अहंकार समाप्त हो जाते हैं। इस चक्र के जाग्रत होने से व्यक्ति के भीतर प्रेम और संवेदना का जागरण होता है। इसके जाग्रत होने पर व्यक्ति के समय ज्ञान स्वतः ही प्रकट होने लगता है। व्यक्ति अत्यंत आत्मविश्वस्त, सुरक्षित, चारित्रिक रूप से जिम्मेदार एवं भावनात्मक रूप से संतुलित व्यक्तित्व बन जाता है। ऐसा व्यक्ति अत्यंत हितैषी एवं बिना किसी स्वार्थ के मानवता प्रेमी एवं सर्वप्रिय बन जाता है।

5. विशुद्धचक्र : कंठ में सरस्वती का स्थान है, जहां विशुद्ध चक्र है और जो 16 पंखुरियों वाला है। सामान्य तौर पर यदि आपकी ऊर्जा इस चक्र के आसपास एकत्रित है तो आप अति शक्तिशाली होंगे। मंत्र : हं कैसे जाग्रत करें :- कंठ में संयम करने और ध्यान लगाने से यह चक्र जाग्रत होने लगता है। प्रभाव : इसके जाग्रत होने कर 16 कलाओं और 16 विभूतियों का ज्ञान हो जाता है। इसके जाग्रत होने से जहां भूख और प्यास को रोका जा सकता है वहीं मौसम के प्रभाव को भी रोका जा सकता है।

6. आज्ञाचक्र : भ्रूमध्य (दोनों आंखों के बीच भृकुटी में) में आज्ञा चक्र है। सामान्यतौर पर जिस व्यक्ति की ऊर्जा यहां ज्यादा सक्रिय है तो ऐसा व्यक्ति बौद्धिक रूप से संपन्न, संवेदनशील और तेज दिमाग का बन जाता है लेकिन वह सब कुछ जानने के बावजूद मौन रहता है। इसे बौद्धिक सिद्धि कहते हैं। मंत्र : ॐ कैसे जाग्रत करें :- भृकुटी के मध्य ध्यान लगाते हुए साक्षी भाव में रहने से यह चक्र जाग्रत होने लगता है। प्रभाव : यहां अपार शक्तियां और सिद्धियां निवास करती हैं। इस आज्ञा चक्र का जागरण होने से ये सभी शक्तियां जाग पड़ती हैं और व्यक्ति सिद्धपुरुष बन जाता है।

7. सहस्रारचक्रः- सहस्रार की स्थिति मस्तिष्क के मध्य भाग में है अर्थात जहां चोटी रखते हैं। यदि व्यक्ति यम, नियम का पालन करते हुए यहां तक पहुंच गया है तो वह आनंदमय शरीर में स्थित हो गया है। ऐसे व्यक्ति को संसार, संन्यास और सिद्धियों से कोई मतलब नहीं रहता है। मंत्र : ॐ कैसे जाग्रत करें :- मूलाधार से होते हुए ही सहस्रार तक पहुंचा जा सकता है। लगातार ध्यान करते रहने से यह चक्र जाग्रत हो जाता है और व्यक्ति परमहंस के पद को प्राप्त कर लेता है। प्रभाव : शरीर संरचना में इस स्थान पर अनेक महत्वपूर्ण विद्युतीय और जैवीय विद्युत का संग्रह है। यही मोक्ष का द्वार है।

राजस्थान सरकार के मंत्रियों का बेंगलुरु में हुआ अंभिनंदन

बेंगलुरु : सामाजिक न्याय एवं अधिकारिकता विभाग के मंत्री अविनाश गहलोत, विधि न्याय एवं संसदीय मंत्री जोगाराम पटेल तथा आहोर के विधायक छगन सिंह राजपुरोहित के रविवार को बेंगलुरु पहुंचने पर राजस्थानी समाज की ओर से सम्मान किया गया1 मंत्री गहलोत ने भाषण देते हुए राजस्थानी समाज को एकजुट रहते हुए आपसी भाईचारा कायम रखने की बात कही1 मंत्री जोगाराम पटेल ने अपने सम्बोधन में बड़े व्यापारीयों से कहा कि छोटे व्यापारी की मदद करते हुए उसका मार्गदर्शन करने को कहा1 मंत्री ने आगे कहा कि आप लोगों ने यहां स्थानीय लोगों के बीच रहकर जो आपसी सन्मय बनाया यह सराहनीय है1 समाजसेवी बाबू सिंह मोहराई, महेंद्र सिंह कालप्पा, ढगल सिंह,चंद्र सिंह, हापू सिंह एवं बेंगलूरू आंजणा पटेल समाज के अध्यक्ष दुर्गाराम, चांमुडामाता गौशाला मोहराई के अध्यक्ष हिरसिंह, सज्जनसिंह केमडोढ़ी, लक्ष्मीनारायण गौशाला बाडवा के अध्यक्ष सम्पतसिंह मौजूद थे1

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095 . newstransportvishesh@gmail .com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी .आर .बी . एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023